दैनिक

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

RNI. No. 69062/94

निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का समाचार पत्र

प्रभात परिक्रमा

वर्ष: 30 | अंक: 239 | भोपाल, शनिवार 13 सितंबर 2025 | पृष्ठ: 08 | मूल्य: 1 रुपए

आवश्यकता है

दैनिक प्रभात परिक्रमा समाचार पत्र को प्रदेश के सभी जिलों एवं तहसील स्तर पर संवाददाता एवं एजेंटों की आवश्यकता है

: संपर्क :

9425023929

दिल्ली- एनसीआर ही क्यों, देशभर में पटाखे बैन होने चाहिए; दिल्ली के लिए पॉलिसी नहीं बना सकते

सुप्रीम कोर्ट बोला- पूरे देश को साफ हवा का हक

एजेंसी| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली में पटाखों को बैन करने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई की। चीफ जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि अगर दिल्ली-NCR के शहरों को साफ हवा का हक है तो दूसरे शहरों के लोगों को क्यों नहीं?

प्रदूषण नियंत्रण को लेकर CJI गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने सुनवाई करते हुए कहा कि अगर पटाखों पर प्रतिबंध लगाना है तो पूरे देश में बैन करना चाहिए। साफ हवा का अधिकार सिर्फ दिल्ली-NCR तक सीमित नहीं रह सकता, बल्कि पूरे देश के नागरिकों को मिलना

चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संबंधी जो भी नीति हो वह पूरे भारत में होनी चाहिए। हम सिर्फ दिल्ली के लिए इसलिए नीति नहीं बना सकते, क्योंकि यहां देश का एलीट क्लास हैं। अगली सुनवाई 22 सितंबर को होगी।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट के 3 अप्रैल 2025 के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें दिल्ली-एनसीआर में पटाखों की बिक्री, स्टोरेज, परिवहन और निर्माण पर पूर्ण प्रतिबंध के आदेश को संशोधित करने की मांग की गई है।

दिल्ली में 14 अक्टूबर को GRAP-1 लागू किया गया था

दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स 200 पार होने के बाद 14 अक्टूबर को दिल्ली NCR में GRAP-1 लागू कर दिया गया था। इसके तहत होटलों और रेस्तरां में कोयला और जलाऊ लकड़ी के उपयोग पर बैन है। कमीशन ऑफ एयर क्वालिटी मैनेजमेंट ने एजेंसियों को पुराने पेट्रोल और डीजल गाड़ियों (बीएस -III पेट्रोल और बीएस-IV डीजल) के संचालन पर सख्त निगरानी के आदेश दिए हैं। आयोग ने एजेंसियों से सड़क बनाने, रेनोवेशन प्रोजेक्ट और मेंटेनेंस एक्टिविटीज में एंटी-स्मॉग गन, पानी का छिड़काव और डस्ट रेपेलेंट तकनीकों के उपयोग को बढ़ाने के लिए भी कहा है।

टूटी वॉशिंग मशीन को लेकर विवाद हुआ था

अमेरिका में भारतीय मूल के व्यक्ति का सिर काटा, पत्नी-बेटे के सामने हत्या

एजेंसी| टेक्सास

अमेरिका में टेक्सास के डलास में बुधवार को भारतीय मूल के व्यक्ति की उसकी पत्नी और बेटे के सामने हत्या कर दी गई। हमलावर ने उसका सिर धड़ से अलग कर दिया। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। इसमें हमलावर सिर काटते हुए, फिर उसे दो बार लात मारते हुए और बाद में कूड़ेदान में फेंकता दिख रहा है। पुलिस के अनुसार, झगड़ा तब शुरू हुआ जब चंद्रमौली नागमल्लैया ने अपने सहकर्मी, 37 साल के योर्डानिस कोबोस-

मार्टिनेज को टूटी हुई वॉशिंग मशीन इस्तेमाल नहीं करने के लिए कहा। बहस बढ़ गई, और मार्टिनेज ने चंद्रमौली पर कई बार चाकू से हमला किया। चंद्रमौली मोटल के पार्किंग लॉट में मदद के लिए चिल्लाते हुए भागे, लेकिन योर्डानिस ने उनका पीछा किया और माचेटे (चौड़ा और भारी ब्लेड वाला चाकू) से हमला किया। चंद्रमौली की पत्नी और बेटे, जो मोटल के फ्रंट ऑफिस में थे, बाहर आए और रोकने की कोशिश की, लेकिन योर्डानिस ने उन्हें धक्का दे दिया और चंद्रमौली का सिर काट दिया।

संक्षिप्त समाचार

स्पाइसजेट फ्लाइट का टायर टेकऑफ के दौरान रनवे पर गिरा

मुंबई एजेंसी। गुजरात के कांडला से मुंबई आ रही स्पाइसजेट की फ्लाइट में बड़ा हादसा टल गया। शुक्रवार को कांडला एयरपोर्ट पर टेकऑफ के दौरान बॉम्बार्डियर Q400 प्लेन का एक टायर रनवे पर गिर गया। इसके बावजूद पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए उड़ान जारी रखी। मुंबई एयरपोर्ट पर विमान की लैंडिंग से पहले फुल इमरजेंसी घोषित कर दी गई। हालांकि विमान ने सुरक्षित लैंडिंग की और खुद टर्मिनल तक पहुंचा। सभी 75 यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया। एयरलाइन ने घटना की पुष्टि की है। घटना की जांच शुरू कर दी गई है और तकनीकी कारणों का पता लगाया जा रहा है। मुंबई एयरपोर्ट पर इंडिगो के A321 प्लेन की टेल रनवे से टच हो गई।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने राज्यसभा के सभापति का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली एजेंसी। वरिष्ठ नेता सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को राज्यसभा के सभापति के रूप में कार्यभार संभाला। उन्होंने आज ही उपराष्ट्रपति पद की शपथ ली, जिसके बाद संवैधानिक रूप से वे उच्च सदन के पदेन सभापति बन गए। राधाकृष्णन ने कार्यभार ग्रहण करने से पहले संसद भवन परिसर स्थित प्रेरणा स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की। प्रेरणा स्थल पर देश के प्रख्यात नेताओं, स्वतंत्रता सेनानियों और समाज सुधारकों की प्रतिमाएं स्थापित हैं। इसके बाद वे राज्यसभा सभापति के कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने उच्च सदन के पीठासीन अधिकारी का कार्यभार ग्रहण करने संबंधी औपचारिक दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए। गौरतलब है कि उपराष्ट्रपति पदेन रूप से राज्यसभा के सभापति होते हैं।

प्रदेश की 1.26 करोड़ लाड़ली बहनों को 28वीं किश्त में अंतरित किए 1541 करोड़ रुपए

बहनों की खुशहाली ही सरकार का मिशनः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश की सभी बहनों के जीवन में नित नई मुस्कान लाना सरकार का संकल्प है। बहनों की खुशहाली ही हमारा मिशन है। राज्य सरकार बहनों को आत्मनिर्भर बनाने देवी अहिल्याबाई नारी सशक्तिकरण मिशन, लाड़ली बहना योजना सहित अन्य योजनाओं के जरिए कदम-दर-कदम आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में संवेदनशील सरकार है। हमारी नीति और नीयत दोनों साफ है। प्रदेश की बहनों को हर महीने प्रोत्साहन राशि उपलब्ध कराकर उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है, बहनों की खुशी में ही हमारी खुशी है। बहनों के जीवन में विकास से ही पूरे समाज का विकास संभव है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को झाबुआ जिले के पेटलावद में आयोजित राज्य स्तरीय लाड़ली बहना सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता महिलाओं का सम्मान,

सुरक्षा और सशक्तिकरण है। सरकार की सभी योजनाओं का लाभ बहनों तक पारदर्शी और प्रभावी तरीके से पहुंचाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 17 सितंबर को धार जिले की बदनावर तहसील के भैंसोला गांव में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी प्रदेश को पीएम मित्रा पार्क की सौगात देने आ रहे हैं। पीएम मित्रा पार्क से मालवांचल सहित पूरे प्रदेश की तस्वीर बदलेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्मेलन में प्रदेश की 1.26 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में 28वीं किश्त की 1541 करोड़ रुपए से अधिक की राशि का अंतरण किया। मुख्यमंत्री ने 53.48 लाख सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों को भी 320.89 करोड़ राशि और 31 लाख से अधिक बहनों को एलपीजी सिलेंडर रीफिलिंग के 48 करोड़ रुपए अंतरित किये।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने झाबुआ जिले के पेटलावद में 345.34 करोड़ के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिला प्रशासन द्वारा तैयार जनजातीय आयुर्वेदिक परम्परा एवं चिकित्सा ज्ञान पर केन्द्रित पुस्तक झाबुआ के संजीवक का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री ने बीपीएल परिवारों के 11 दिव्यांग हितग्राहियों को कस्टमाईज्ड पेट्रोल चलित मोटर साईकिल वितरित की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि पेटलावद, झाबुआ का चमकदार क्षेत्र है। झाबुआ अपने प्राकृतिक सौंदर्य के लिए मशहूर है जो खेती और सब्जी उत्पादन में नई इबारत लिख रहा है। यहां का टमाटर देशभर में पहुंचता है। लाड़ली बहनों को आज एक बार फिर सिंगल क्लिक से 1250 रुपए की सौगात मिली है। यह रक्षाबंधन के आनंद की तरह है। योजना की शुरुआत के बाद से अब तक 41 हजार करोड़ की राशि लाड़ली बहनों को दी जा चुकी है। सरकार का खजाना बहनों के लिए भरा हुआ है। दीपावली की भाईदूज के बाद हर माह 1500 रुपए देंगे। हमारी सरकार अपना वचन पूरा करेगी। धीरे-धीरे लाड़ली बहना योजना की राशि 3 हजार रुपए प्रतिमाह कर देंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दी अनेक सौगात

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पेटलावद में सर्वसुविधायुक्त बस स्टैंड, श्रृंगेश्वर तीर्थस्थल में घाट निर्माण एवं सौंदर्यीकरण, राजगढ़-पारा-राणापुर-पिटोल मार्ग 55 किमी 2 लेन मार्ग निर्माण, एनएच-47 दत्तीगाँव फाटे से उमरकोट-बोलासा रायपुरिया 2 लेन मार्ग निर्माण 30.80 किमी, एनएच-47 से माछलिया मृगारुंडी मार्ग पर उच्च स्तरीय पुल एवं मार्ग, झाबुआ-कल्याणपुरा-रायपुरिया मार्ग पर ग्राम कदवाली में टूटी पुलिया का निर्माण, ग्राम धतुरिया जिला झाबुआ से माही नदी पर पुलिया एवं लाबरिया जिला धार तक मार्ग निर्माण और ग्राम पारा विकासखंड रामा में नवीन नलजल योजना के निर्माण की घोषणा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि झाबुआ जिले में 25 करोड़ की लागत से विभिन्न छात्रावास बनाए जाएंगे।

झाबुआ के जनजातीय बच्चे डॉक्टर और इंजीनियर बनें और राज्य सरकार उनके देश से लेकर विदेश तक पढ़ाई का पूरा खर्च उठाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बहुत जल्द मैं झाबुआ में मेडिकल कॉलेज का शिलान्यास करने आऊंगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आजादी के बाद पहली बार देश में जनजातीय समुदाय से कोई राष्ट्रपति पद तक पहुंचा है। हमारी सरकार जनजातीय समुदाय के कल्याण के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। टंट्या मामा के नाम से खरगौन में विश्वविद्यालय संचालित हो रहा है। पेटलावद में 10 साल पहले एक बड़ा ब्लास्ट हुआ था।

जबलपुर में बरगी बांध के 9 गेट खुले

मप्र में अगले 4 दिन भारी बारिश का अलर्ट नहीं

एमपी में कोटे से 4.4 इंच ज्यादा बारिश

- कोटे से 10 प्रतिशत ज्यादा बारिश, 30 जिलों में कोटा फुल

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

मध्यप्रदेश में अगले 4 दिन तक भारी बारिश का अलर्ट नहीं है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर-जबलपुर समेत प्रदेश में हल्की बारिश का दौर जरूर रह सकता है। 15-16 सितंबर से नया सिस्टम बनने के बाद फिर से पूरे प्रदेश में तेज बारिश का दौर शुरू हो सकता है। हालांकि, जबलपुर के आसपास डिंडोरी, मंडला जिलों में लगातार हो रही बारिश के चलते एक बार फिर बरगी बांध के 9 गेट खोले गए हैं। इनसे 1096 क्यूमेक पानी छोड़ा जा रहा है। बांध के 9 गेट 0.78 मीटर ऊंचाई तक खोले गए है। ऐसे में नर्मदा का जल स्तर 5 से 6 फीट बढ़ने की संभावना है।

इसे देखते हुए बरगी बांध प्रबंधन ने नर्मदा नदी के घाटों और तटीय क्षेत्रों से दूरी बनाए रखने की अपील की है। मौसम विभाग के अनुसार, वर्तमान में जितने भी सिस्टम एक्टिव है, वे प्रदेश से काफी दूर है। इस वजह से तेज बारिश होने के आसार नहीं है।

बता दें, प्रदेश में 16 जून को मानसून ने आमद दी थी। तब से अब तक औसत 41.6 इंच बारिश हो चुकी है। अब तक 34.2 इंच पानी गिरना था। इस हिसाब से 7.4 इंच पानी ज्यादा गिर चुका है। प्रदेश की सामान्य बारिश औसत 37 इंच है। यह कोटा पिछले सप्ताह ही पूरा हो गया है। 4.6 इंच पानी ज्यादा गिर गया है। 30 जिले-भोपाल, राजगढ़, रायसेन, विदिशा, अलीराजपुर, बड़वानी, कटनी, नरसिंहपुर, सिवनी, मंडला, ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, दतिया, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, रतलाम, मंदसौर, नीमच, आगर-मालवा, भिंड, मुरैना, श्योपुर, सिंगरौली, सीधी, सतना और उमरिया में बारिश का कोटा फुल हो चुका है। कई जिले ऐसे हैं, जहां आंकड़ा डेढ़ सौ प्रतिशत के पार है। श्योपुर में कुल 213 प्रतिशत पानी गिर चुका है।

शाहरुख फिल्म ही नहीं रियल लाइफ में हीरो पंजाब बाढ़ पीड़ितों को पहुंचाई राहत

एजेंसी| मुंबई

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान ने बाढ़ पीड़ित पंजाब के लोगों के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया है। किंग खान शाहरुख के मीर फाउंडेशन ने पंजाब में भीषण बाढ़ से प्रभावित परिवारों को राहत देने, जरुरी किट वितरित करने और उनके पुनर्वास प्रयासों में सहायता करने के लिए कदम बढ़ाया है। संकट की स्थिति में, उनके फाउंडेशन ने ज़रूरतमंद लोगों को सहायता प्रदान की है। राहत किटों में

दवाइयां, स्वच्छता सामग्री, खाद्य सामग्री, मच्छरदानी, तिरपाल, बिस्तर, सूती गद्दे और अन्य जरुरी वस्तुएं शामिल हैं। इस पहल का उद्देश्य अमृतसर, पटियाला, फाज़िल्का और फिरोजपुर जिलों के 1500 परिवारों तक पहुंचाना है, जहां उन्हें स्वास्थ्य, सुरक्षा और आश्रय के लिए तत्काल सहायता प्रदान की जाएगी, साथ ही परिवारों को सम्मान के साथ अपना जीवन फिर से शुरू करने में सहायता मिलेगी। पंजाब इस समय हाल के वर्षों में आई सबसे भीषण बाढ़ से जूझ रहा है।

नेपाल हिंसाः काठमांडू के पास भारतीयों की बस पर हमला

एजेंसी| महाराजगंज

पड़ोसी देश नेपाल में जारी अशांति के बीच काठमांडू स्थित पशुपतिनाथ मंदिर से लौट रही भारतीय पर्यटकों की एक बस पर प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर हमला किया, जिससे कई यात्री घायल हो गए। यह दावा बस चालक ने किया है। चालक के अनुसार, यह घटना नौ सितंबर को भारत-नेपाल सीमा पर सोनौली के पास हुई, जब प्रदर्शनकारियों ने 49 भारतीय यात्रियों को लेकर आ रही बस को निशाना बनाया। बताया जाता है कि प्रदर्शनकारियों ने पथराव किया, जिससे बस के शीशे टूट गए और महिलाओं व बुजुर्गों सहित कई यात्री घायल हो गए। खबरों के अनुसार, स्थानीय अधिकारियों ने घायलों को काठमांडू के एक अस्पताल में भर्ती कराया, जबकि बाकी यात्रियों को नेपाल सरकार और भारतीय दूतावास की मदद से एक विशेष विमान से भारत वापस भेजा गया। यहां सोनौली में बस चालक रामू निषाद ने संवाददाताओं से कहा, हम पशुपतिनाथ मंदिर के दर्शन करके लौट रहे थे, तभी अचानक एक भीड़ ने हमारी बस को घेर लिया और बिना किसी कारण के हमला कर दिया। यात्रियों में महिलाएं और बुजुर्ग भी थे, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने इसकी परवाह नहीं की।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने देश के 15वें उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन को शपथ दिलाई, 452 मतों से जीते थे

एजेंसी| नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति के चुनाव में 452 मतों से जीते सीपी राधाकृष्णन को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने उपराष्ट्रपति को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में सीपी राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति की शपथ ले ली है।

सीपी राधाकृष्णन देश के 15वें उपराष्ट्रपति बने हैं। दरअसल, सीपी राधाकृष्णन ने मंगलवार को हुए उपराष्ट्रपति चुनाव में संयुक्त विपक्षी उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को

हराकर जीत हासिल की। बता दें कि यह चुनाव पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के 21 जुलाई को अचानक इस्तीफे के बाद आयोजित किया गया था।

एनडीए की ओर से उपराष्ट्रपति के प्रत्याशी सीपी राधाकृष्णन को 452 मत प्राप्त हुए। वहीं, विपक्षी उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को 300 मत मिले।

9 सितंबर को ही वोटिंग के बाद परिणामों में घोषणा की गई। उपराष्ट्रपति परिणामों की घोषणा के बाद पीएम मोदी ने सीपी राधाकृष्णन को बधाई दी। पीएम मोदी में विश्वास जताया कि नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति भारत के संवैधानिक मूल्यों को और मजबूत करेंगे तथा संसदीय संवाद में सकारात्मक योगदान देंगे। एनडीए उम्मीदवार राधाकृष्णन को मंगलवार को भारत के 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में चुना गया। चुनाव के बाद राज्यसभा के महासचिव और निर्वाचन अधिकारी पीसी मोदी ने परिणाम घोषित करते हुए बताया कि 781 सांसदों में से 767 ने मतदान किया, जिससे 98.2 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ।

कंप्यूटर विज्ञान के क्षेत्र में भारतीय ज्ञान प्रणाली की प्रासंगिकता विशेष संगोष्ठी का आयोजन

भोपाल। शोध आयाम (मध्य भारत प्रांत, प्रज्ञा प्रवाह) के तत्वावधान में आज एक विशेष संगोष्ठी कंप्यूटर विज्ञान के क्षेत्र में भारतीय ज्ञान प्रणाली की प्रासंगिकता का आयोजन किया गया, जिसमें देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर के कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की वरिष्ठ संकाय एवं दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र की पूर्व निदेशक डॉ. माया इंगले ने उक्त विषय परअपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. माया इंगले ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा केवल अध्यात्म या दर्शन तक सीमित नहीं रही, बल्कि गणित, भाषाविज्ञान, तर्कशास्त्र, चिकित्सा विज्ञान और खगोलशास्त्र जैसे क्षेत्रों में भी उसने अद्भुत योगदान दिया है। उन्होंने समझाया कि कैसे पाणिनी की अष्टाध्यायी आधुनिक कम्पाइलर डिज़ाइन और प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण की नींव मानी जा सकती है, और कैसे पिंगलाचार्य का छंदसूत्र बाइनरी संख्याओं तथा एल्गोरिद्म की प्रारंभिक अवधारणा प्रदान करता है। इसी प्रकार, महावीर और भास्कराचार्य जैसे गणितज्ञों द्वारा प्रतिपादित सूत्र क्रमचय-संचय और प्रायिकता

सिद्धांत में आज भी उपयोगी हैं। उन्होंने यह भी बताया कि वैदिक गणित उच्च गति वाले गणनात्मक कार्यों, क्रिप्टोग्राफी और एल्गोरिद्म डिज़ाइन के क्षेत्र में अत्यंत प्रासंगिक है। स्वामी भारती कृष्ण तीर्थ द्वारा प्रतिपादित 16 सूत्र और उपसूत्र आज की डिजिटल दुनिया में नई संभावनाओं को खोलते हैं।

कार्यक्रम के दौरान यह रेखांकित किया गया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने भारतीय ज्ञान प्रणाली को शिक्षा के सभी स्तरों पर समाहित करने की अनुशंसा की है। ज्ञान (ज्ञान), प्रज्ञा (बुद्धिमत्ता) और सत्य (सत्य की खोज) को सर्वोच्च मानव लक्ष्य मानने वाली भारतीय परंपरा आज भी शिक्षा और शोध के लिए मार्गदर्शक है।

डॉ. इंगले ने स्पष्ट किया कि भारतीय विद्वानों के विचार और सूत्र आधुनिक कंप्यूटर विज्ञान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण, डेटा माइनिंग और सॉफ्टवेयर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में न केवल प्रासंगिक हैं, बल्कि इन क्षेत्रों की जड़ों को समझने में भी सहायक हैं। संगोष्ठी में उपस्थित शोधार्थियों, विद्यार्थियों और प्राध्यापकों ने इस बात पर सहमति जताई कि भारतीय ज्ञान परंपरा वास्तव में एक स्वर्ण भंडार है, जिसे पुन: खोजकर आधुनिक शिक्षा एवं अनुसंधान में उपयोग करने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम के अंत में सभी ने इस दिशा में आगे अनुसंधान एवं अध्ययन को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

संपादकीय

जीत संग जिम्मेदारी

उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन की जीत अप्रत्याशित नहीं है। संख्या बल शुरू से उनके साथ था। इंडिया. ब्लॉक सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज बी. सुदर्शन रेड्डी को चुनाव मैदान में उतारकर एक मेसेज देना चाहता था और इसमें वह काफी हद तक सफल रहा। वैसे भी उपराष्ट्रपति चुनाव को केवल वोटों के गणित और सियासी समीकरणों से नहीं तौला जा सकता। असली चुनौती यहां से शुरू होती है। इस चुनाव की नौबत इसलिए आई क्योंकि सत्र के बीच में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पद से इस्तीफा दे दिया। देश के सामने ऐसे स्थिति कभी नहीं आई थी कि संसद का सत्र चल रहा हो और उपराष्ट्रपति अचानक पद छोड़ दें। उनका जाना कई सवाल खड़े कर गया। सीपी राधाकृष्णन को इस अतीत से आगे बढ़कर जिम्मेदारी निभानी है। वह ऐसे वक्त में यह पद संभालने जा रहे हैं, जब सरकार और विपक्ष के बीच असहमति की दीवार बहुत ऊंची हो चुकी है। इसका असर इस इलेक्शन में भी दिखा। दोनों तरफ से तल्खियां साफ नजर आईं और आरोप-प्रत्यारोप वैसे ही लगे, जैसे कि दूसरे चुनावों में लगते हैं। लेकिन, यह अब बीती बात है। कौन साथ रहा और कौन खिलाफ, यह भूलकर नए उपराष्ट्रपति से उम्मीद होगी संतुलन और निरपेक्षता की। उन्हें दोनों पक्षों को साथ लेकर चलना होगा। सीपी राधाकृष्णन के सामने एक और बड़ी चुनौती है - खुद को अराजनीतिक दिखाना। देश में उपराष्ट्रपति का पद राजनीतिक नहीं होता, लेकिन हाल-फिलहाल में इससे कई राजनीतिक विवाद जुड़ चुके हैं। धनखड़ के साथ विपक्ष की यह शिकायत आम रही कि वह उनको मौके नहीं देते। ऐसे में लोकतांत्रिक मूल्यों और संसदीय परंपराओं की कसौटी पर सीपी राधाकृष्णन को भी परखा जाएगा। उपराष्ट्रपति राज्यसभा के पदेन सभापति होते हैं और इस नाते सीपी राधाकृष्णन के सामने यह कठिन कार्य है कि वह कैसे उच्च सदन को उसकी गरिमा वापस दिलाते हैं। दुर्भाग्य से राज्यसभा से अब सार्थक बहसों से अधिक हंगामे और शोर-शराबे की खबरें आती हैं। इस मॉनसून सत्र में ही राज्यसभा की प्रॉडक्टिविटी केवल 38.8 प्रतिशत रही। ज्यादातर वक्त सदन बाधित रहा और कई अहम मुद्दों पर बहस अधूरी रह गई। उच्च सदन को ज्यादा विचारवान माना जाता रहा है। उसकी यह खोई छवि कैसे लौटती है, नए उपराष्ट्रति पर निर्भर करता है।

आत्महत्या जीवन की सबसे बड़ी त्रासदी है, यह मनुष्य होने के अर्थ और गरिमा को धूमिल करती है। जब जीवन जीने का साहस कमज़ोर पड़ता है तो व्यक्ति निराशा और अंधकार में डूबकर स्वयं को समाप्त करने की ओर बढ़ता है। दुनिया में आत्महत्या आज एक गहरी एवं विडम्बनापूर्ण वैश्विक चुनौती बन चुकी है। हर साल लाखों लोग अपनी ही जिंदगी से हार मान लेते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर साल लगभग 7.2 लाख लोग आत्महत्या करते हैं। यह सिर्फ व्यक्तिगत त्रासदी नहीं बल्कि सामाजिक, भावनात्मक और आर्थिक संकट भी है। 15 से 29 वर्ष की आयु वर्ग में मृत्यु का चौथा सबसे बड़ा कारण आत्महत्या है। यही वजह है कि हर साल 10 सितंबर को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया जाता है। 2024 से 2026 तक इसकी थीम 'चेंजिंग द नैरेटिव ऑन सुसाइड' रखी गई है, जिसका उद्देश्य है आत्महत्या पर खामोशी तोड़कर इसे एक निष्क्रिय विषय से संवाद और सहयोग का सक्रिय विषय बनाना। आत्महत्या पर दृष्टिकोण का यह बदलाव आत्महत्या के बारे में लोगों की सोच और बातचीत के तरीके को चुनौती देता है, खुले और ईमानदार संवाद को बढ़ावा देता है जो कलंक को तोड़ता है और समझ को बढ़ावा देता है। आत्महत्या के अलावा जीवन में और भी बेहतर विकल्प हैं। इसके अलावा एक ऐसी समाज-व्यवस्था को बढ़ावा देना है जहां लोग मदद लेने में हिचहिचाए नहीं, बल्कि एक-दूसरे के सहयोग के लिये आगे आये।

निराशा से आशा की ओर आत्महत्या के खिलाफ जंग

(ललित गर्ग)

निश्चित रूप से खुदकुशी सबसे तकलीफदेह हालात के सामने हार जाने का नतीजा होती है और ऐसा फैसला करने वालों के भीतर वंचना का अहसास, उससे उपजे तनाव, दबाव और दुख का अंदाजा लगा पाना दूसरों के लिए मुमकिन नहीं है। आत्महत्या शब्द जीवन से पलायन का डरावना सत्य है जो दिल को दहलाता है, डराता है, खौफ पैदा करता है, दर्द देता है।

आत्महत्या जीवन की सबसे बड़ी त्रासदी है, यह मनुष्य होने के अर्थ और गरिमा को धूमिल करती है। जब जीवन जीने का साहस कमज़ोर पड़ता है तो व्यक्ति निराशा और अंधकार में डूबकर स्वयं को समाप्त करने की ओर बढ़ता है। वैश्विक स्तर पर यह एक गंभीर समस्या है, दुनिया भर से आते नए आंकड़े इस चुनौती की गंभीरता को और उजागर करते हैं। 2021 में अनुमानित 7.27 लाख आत्महत्याएं हुईं और विश्व में हर 43 सेकेंड में कोई एक व्यक्ति खुदकुशी कर रहा है। 73 प्रतिशत आत्महत्याएं निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों में होती हैं और सबसे अधिक असर युवा और गृहिणियों पर पड़ता है। भारत में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की 2021 की रिपोर्ट बताती है कि आत्महत्या करने वाली महिलाओं में 51.5 प्रतिशत गृहिणियां थीं। आत्महत्या की दर दो दशकों में 7.9 से बढ़कर 10.3 प्रति एक लाख हो गई है। उत्तराखंड जैसे राज्यों में पारिवारिक कलह आत्महत्या का बड़ा कारण है। युवा वर्ग की महत्वाकांक्षा क्षमता से अधिक हो चुकी है, पारिवारिक सामंजस्य खत्म हो गया है, असफलता का डर और तनाव सहने की क्षमता कम हो गई है। यही कारण है कि पढ़ाई के दबाव, नौकरी में असफलता, रिश्तों के टूटने और आर्थिक अभाव से युवा और किशोर आत्महत्या की ओर धकेले जा रहे हैं।

भारत में स्थिति और भी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022 में भारत में 1,70,924 आत्महत्याएं दर्ज की गईं, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है और आत्महत्या दर 12.4 प्रति लाख जनसंख्या रही। यह दर पिछले वर्षों की तुलना में सर्वाधिक है। इनमें 18 से 45 वर्ष की आयु के लोगों की संख्या दो-तिहाई से अधिक है, जो दर्शाता है कि देश का युवा और कार्यशील वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित है। राज्यवार आंकड़े भी चिंताजनक हैं-सिक्किम में आत्महत्या दर लगभग 43 प्रति लाख रही जबकि बिहार में यह 1 से भी कम है। आत्महत्या के पीछे अनेक सामाजिक, आर्थिक और मानसिक कारण जुड़े हुए हैं। बेरोज़गारी, गरीबी, पारिवारिक कलह, असफल प्रेम, नशे की लत और बीमारियां इसका बड़ा कारण बन रही हैं। मानसिक रोग और अवसाद ने इस समस्या को और गहरा किया है। एनसीआरबी के अनुसार 2018 से 2022 के बीच मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े कारणों से आत्महत्या के मामलों में 44 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 2022 के आँकड़े बताते हैं कि आत्महत्या के प्रमुख कारणों में 33 प्रतिशत मामले पारिवारिक समस्याओं से जुड़े थे, लगभग 19 प्रतिशत मामले बीमारियों के कारण हुए, जबकि 6-7 प्रतिशत मामले विवाह सम्बन्धी समस्याओं और 6 प्रतिशत मामले ऋण और कर्ज़ से संबंधित थे। छात्र आत्महत्या का आंकड़ा भी बड़ा चिंताजनक है-2022 में यह कुल आत्महत्याओं का 7.6 प्रतिशत रहा। वैश्विक स्तर पर भी स्थिति गंभीर है, परंतु भारत में यह और ज्यादा जटिल इसलिए है क्योंकि यहां सामाजिक प्रतिस्पर्धा, उपभोक्तावादी जीवनशैली, परिवार का टूटता हुआ ढांचा और आर्थिक असमानता आत्महत्या की प्रवृत्ति को तेज़ कर रही है। आत्महत्या केवल एक जीवन का अंत नहीं है, बल्कि यह एक पूरे परिवार और समाज की आशाओं का विघटन है।

इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए केवल व्यक्तिगत प्रयास पर्याप्त नहीं हैं बल्कि समाज और सरकार दोनों को संयुक्त रूप से कार्य करना होगा। भारत सरकार ने 2017 में मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम पारित करके आत्महत्या प्रयास को अपराध की श्रेणी से बाहर किया और 2020 में 'किरण' नामक राष्ट्रीय हेल्पलाइन शुरू की जो 13 भाषाओं में चौबीसों घंटे सहायता उपलब्ध कराती है। 2022 में राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति बनाई गई जिसका लक्ष्य 2030 तक आत्महत्या दर में 10 प्रतिशत की कमी लाना है। इसमें मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, परामर्श केंद्रों की स्थापना, रोजगार सृजन, परिवारिक संवाद को मजबूत करना, मीडिया की संवेदनशीलता और सामाजिक सहयोग जैसे उपायों पर जोर दिया गया है। साथ ही स्वयंसेवी संस्थाओं और हेल्पलाइन सेवाओं-जैसे आसरा, वंद्रेवाला, समैरिटन्स मुंबई-की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। आत्महत्या को रोकने का सबसे बड़ा उपाय यही है कि व्यक्ति को निराशा के अंधकार में छोड़ने के बजाय उसके जीवन में आशा, साहस और सहयोग का संचार किया जाए क्योंकि कठिनाइयों का समाधान आत्महत्या में नहीं बल्कि संघर्ष, विश्वास और सहारा देने वाले समाज में है।

दुनिया का यह दुखद सच यह भी है कि चिकित्सा विज्ञान की प्रगति से बीमारियों से मरने वालों की संख्या घटी है पर आत्महत्या के कारण मरने वालों की संख्या बढ़ी है। भौतिकवादी जीवनशैली, प्रतिस्पर्धा, अवसाद और असंतुलन ने मनुष्य को भीतर से खोखला बना दिया है। प्रसिद्ध कलाकार, जिनका सार्वजनिक जीवन में हंसता खेलता चेहरा दिखाई देता है, कभी अचानक आत्महत्या कर लेते हैं क्योंकि भीतर का अकेलापन और दबाव उन्हें जीने नहीं देता। सवाल यह है कि जिनके पास साधन और सहयोग की कमी नहीं, वे भी क्यों जिंदगी के उतार-चढ़ाव को बर्दाश्त नहीं कर पाते। किसानों की आत्महत्या, आर्थिक तंगी, व्यापार में नुकसान, रिश्तों का टूटना, तलाक और अभाव की स्थिति आत्महत्या की सबसे बड़ी जड़ें हैं। समाज और परिवार का विघटन भी व्यक्ति को असहाय बना देता है।

आत्महत्या किसी भी सभ्य समाज के माथे पर कलंक है। टॉयनबी ने ठीक ही कहा है कि कोई भी संस्कृति हत्या से नहीं बल्कि आत्महत्या से मरती है। इस स्थिति को बदलना जरूरी है। सरकारों, संगठनों, समुदायों और परिवारों की जिम्मेदारी है कि वे संवाद और सहयोग की संस्कृति को बढ़ावा दें। जब कोई व्यक्ति संकट में हो तो परिवार, दोस्त, पड़ोसी और सहकर्मी उसे अकेला न छोड़ें बल्कि उसका हाथ थामें। हमें एक ऐसी सामाजिक संरचना बनानी होगी जहां मदद मांगना कमजोरी नहीं बल्कि साहस माना जाए। जहां तनाव और अवसाद को गंभीरता से समझा जाए और मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता मिले। जहां बच्चों को बचपन से ही संघर्षों से लड़ने की शिक्षा दी जाए और असफलताओं को जीवन का हिस्सा समझने का दृष्टिकोण यही आज की सबसे कठोर और सबसे असहज सच्चाई है।

ऑब्ज़र्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, रूस-यूक्रेन युद्ध का वास्तविक लाभार्थी अमेरिका का सैन्य-औद्योगिक कॉम्प्लेक्स (मिलीट्री इंडस्ट्रीज काम्पेल है, जिसने इस युद्ध के चलते हथियारों के ऑर्डर, उत्पादन, मुनाफे और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जुड़ी रक्षा प्रणालियों के करारों में 'विस्फोटक वृद्धि' दर्ज की है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2020 से 2024 के बीच, यूक्रेन की कुल हथियार खरीद का 45त्न हिस्सा अमेरिका से आया, जो इस अवधि में अमेरिका के कुल हथियार निर्यात का 9.3 प्रतिशत है। शुरुआती दौर में यह सहायता सीधे सैन्य पैकेज के रूप में थी, लेकिन 2024-25 से अमेरिका ने इसे हथियारों की बिक्री में बदलना शुरू किया। अगस्त 2025 में अमेरिका ने 825 मिलियन डॉलर मूल्य के 3,350 विस्तारित दूरी वाले आक्रमण मिसाइलों की बिक्री को मंजूरी दी। इसके बाद जुलाई में ट्रंप औरनाटो महासचिव मार्क रुट्टे की बैठक में यूरोपीय देशों और कनाडा को अमेरिका से 10 अरब डॉलर से अधिक के हथियार खरीदने पर राज़ी किया गया। यह बदलाव स्पष्ट करता है कि अमेरिका अब 'उदार सहायता' देने की बजाय यूक्रेन संकट को अपने हथियार बाजार के विस्तार का अवसर मान रहा है।

नाटो और रक्षा बजट- अमेरिकी दबाव या सुरक्षा अनिवार्यता? इसके अलावा, जून 2025 के नाटो सम्मेलन में सदस्य देशों ने घोषणा की थी कि वे 2035 तक अपने वार्षिक रक्षा बजट को जीडीपी के 5 प्रतिशत तक बढ़ाएंगे। यह 2006 के 2 प्रतिशत लक्ष्य से लगभग 150 प्रतिशत की छलांग है। हम आपको बता दें कि वर्तमान में अमेरिका नाटो सहयोगियों की कुल हथियार खरीद का 64 प्रतिशत आपूर्ति करता है, जो 2015-19 में 52 प्रतिशत था। इस तरह वैश्विक हथियार निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी 2014-19 के 35 प्रतिशत से बढ़कर 2020-24 में 43 प्रतिशत हो गई। स्पष्ट है कि यूक्रेन युद्ध अमेरिकी हथियार उद्योग के लिए 'कैश काउ' साबित हो रहा है।

इसके अलावा, रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका के रक्षा औद्योगिक ढांचे में 100,000 से अधिक कंपनियां शामिल हैं। इनमें से पाँच दिग्गज– लॉकहीड मार्टिन, आरटीएक्स , जनरल डायनैमिक्स, नॉर्थ्रॉप ग्रुम्मन और बोइंग, पेंटागन के एक-तिहाई से अधिक ठेके हासिल करती हैं। केवल 2024 में फॉरेन मिलिट्री सेल्स के तहत हथियार सौदों का मूल्य 117.9 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो 2023 की तुलना में लगभग 46 प्रतिशत अधिक है। इसी अवधि में डायरेक्ट कमर्शियल सेल्स 157.5 अरब डॉलर से बढ़कर 200.8 अरब डॉलर हो गईं। यानी, 'लगातार चल रहे संघर्ष' जैसे- इराक, अफगानिस्तान, यूक्रेन और चीन के बढ़ते खतरे ने अमेरिकी रक्षा ठेकेदारों के लिए लगातार मुनाफ़े का स्रोत उपलब्ध कराया है। दूसरी ओर, जहां अमेरिका के राजनीतिक वर्ग में भारत को रूस-यूक्रेन युद्ध में रूस का सहायक बताकर निशाना बनाया जाता है, वहीं हकीकत यह है कि युद्ध की सबसे बड़ी आर्थिक कमाई अमेरिका के हथियार उद्योग को हो रही है। अमेरिका के भीतर भी ट्रंप और बाइडेन प्रशासन युद्ध की ज़िम्मेदारी को लेकर एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप करते हैं, किंतु दोनों ही कार्यकालों में अमेरिकी हथियार कंपनियां लाभान्वित होती रही हैं। देखा जाये तो भारत को इस विमर्श को वैश्विक मंच पर चुनौती देने की आवश्यकता है, क्योंकि उसका तेल और ऊर्जा आयात तो संतुलनकारी रणनीति का हिस्सा है।

बहरहाल, इसमें कोई दो राय नहीं कि रूस-यूक्रेन युद्ध न केवल यूरोप की सुरक्षा को पुनर्परिभाषित कर रहा है, बल्कि उसने अमेरिका के सैन्य-औद्योगिक कॉम्प्लेक्स को नए शिखर पर पहुंचा दिया है। देखना होगा कि आने वाले दिनों में यह सच्चाई कितने देशों की आंखें खोलती है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

जीवन की रक्षा में संवाद ही सबसे बड़ा हथियार

(योगेश कुमार गोयल)

प्रतिवर्ष विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है। आत्महत्या रोकथाम दिवस की 2025 की थीम है 'आत्महत्या पर कहानी बदलना'। इस थीम का उद्देश्य आत्महत्याओं को रोकने के लिए कलंक को कम करने और खुली बातचीत को प्रोत्साहित करने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से प्रतिवर्ष 10 सितम्बर को दुनियाभर में तेजी से बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के उद्देश्य से 'विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस की शुरुआत 'इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर सुसाइड प्रिवेंशन' (आईएएसपी) द्वारा 2003 में की गई थी। इन दिन एक पीले रंग के रिबन को प्रतीक के रूप में पहना जाता है, जो इस बात को फैलाने में मदद करने के लिए पहना जाता है कि आत्महत्या की रोकथाम के बारे में बोलने से लोगों की जान बचाई जा सकती है। इस दिवस को मनाने का प्रमुख उद्देश्य आत्महत्या करने वाले व्यक्ति के व्यवहार पर शोध करना, जागरुकता फैलाना और डेटा एकत्रित करना है। दरअसल डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दुनिया में हर 40 सैकेंड में एक व्यक्ति आत्महत्या करता है यानी प्रतिवर्ष दुनियाभर में करीब आठ लाख लोग आत्महत्या के जरिये अपनी जीवनलीला खत्म कर डालते हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में आत्महत्या के मामले 15 से 29 वर्ष के लोगों में होते हैं जबकि आत्महत्या का प्रयास करने वालों का आंकड़ा इससे बहुत ज्यादा है।

प्रतिवर्ष विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है। आत्महत्या रोकथाम दिवस की 2025 की थीम है 'आत्महत्या पर कहानी बदलना'। इस थीम का उद्देश्य आत्महत्याओं को रोकने के लिए कलंक को कम करने और खुली बातचीत को प्रोत्साहित करने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। लोगों में अवसाद निरन्तर बढ़ रहा है, जिसके चलते ऐसे कुछ व्यक्ति आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठते हैं। लोगों में जीवन से निराश होकर आत्महत्या की बढ़ती दुष्प्रवृत्ति गंभीर चिंता का सबब बन रही है। डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में 79 फीसदी आत्महत्या निम्न और मध्यवर्ग वाले देशों के लोग करते हैं और इसमें बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की होती है, जिनके कंधों पर किसी भी देश का भविष्य टिका होता है।

हालांकि बीते वर्षों में दुनियाभर में खुदकुशी की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं लेकिन भारत में आत्महत्याओं का आंकड़ा काफी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने वर्ष 2022 में भारत में आत्महत्या के मामलों को लेकर जारी अपनी रिपोर्ट में बताया था कि वर्ष 2022 में भारत में कुल 170924 लोगों ने आत्महत्याएं की जबकि 2021 में भारत में 164033 लोगों ने आत्महत्या की थी। एनसीआरबी के मुताबिक आत्महत्या की घटनाओं के पीछे पेशेवर या कैरियर संबंधी समस्याएं, अलगाव की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक समस्याएं, मानसिक विकार, शराब की लत, वित्तीय नुकसान, पुराने दर्द इत्यादि मुख्य कारण हैं। आज छात्र अपनी शिक्षा एवं भविष्य को लेकर गहरे असमंजस में हैं। किसी को कैरियर या नौकरी की चिंता सता रही है तो कोई वित्तीय संकट से जूझ रहा है। तनाव के दौर में निजी रिश्तों में भी खटास बढ़ी है और आमजन में नकारात्मक विचारों का बढ़ता प्रवाह तथा उपरोक्त चिंताएं कई बार अवसाद का रूप ले लेती हैं, जिसके चलते कुछ लोग परेशानियों से निजात पाने के लिए आत्महत्या का खतरनाक रास्ता चुन लेते हैं।

जब कोई व्यक्ति ज्यादा बुरी मानसिक स्थिति से गुजरता है तो एकाएक अवसाद में चला जाता है और इसी अवसाद के कारण ऐसे कुछ लोग आत्महत्या कर लेते हैं, जिसका उनके परिवार के साथ-साथ समाज पर भी बहुत नकारात्मक असर पड़ता है। विशेषज्ञों के मुताबिक अवसाद और तनाव के कारण ही लोगों में आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ रही है और जब व्यक्ति को परेशानियों से बाहर निकलने का कोई मार्ग नजर आता, ऐसे में वह आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठता है। हालांकि जिन लोगों का मनोबल मजबूत होता है, वे प्रायः विकट परिस्थितियों से उबर भी जाते हैं लेकिन अवसाद के शिकार कुछ लोग विषम परिस्थितियों से लड़ने के बजाय हालात के समक्ष घुटने टेक स्वयं को मौत के हवाले कर देते हैं। मनोचिकित्सकों के अनुसार आत्महत्या करना काफी गंभीर समस्या है और आत्महत्या करने के पीछे अधिकांशतः अवसाद को ही जिम्मेदार ठराया जाता है, जो ऐसे करीब 90 फीसदी मामलों का प्रमुख कारण भी है लेकिन सभी आत्महत्याओं के लिए अवसाद को ही पूरी तरह जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। उनके मुताबिक आत्महत्या करने का विचार किसी इंसान के अंदर तब पनपता है, जब वह किसी मुश्किल से बाहर नहीं निकल पाता।

मनुष्य जीवन को संसार में सबसे अनमोल माना गया है क्योंकि हमारा यह जीवन एकमात्र ऐसी चीज है, जिसे हम दोबारा नहीं पा सकते। बहरहाल, यदि कभी जरूरत से ज्यादा तनाव अथवा किसी मानसिक बीमारी का अहसास हो तो तुरंत किसी मनोचिकित्सक से मिलकर अपनी परेशानियों के बारे में खुलकर बात करें। केन्द्र सरकार द्वारा अगस्त 2020 में एक मेंटल हैल्थ रिहैबिलिटेशन हेल्पलाइन (किरण हेल्पलाइन) नंबर भी जारी किया गया था, जिस पर कॉल करके ऐसी स्थिति में मदद या काउंसलिंग की मांग की जा सकती है। इसके अलावा भी कई सुसाइड हेल्पलाइन नंबर उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग आत्महत्या की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए किया जा सकता है। लोगों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता फैलाकर भी आत्महत्या जैसे मामलों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। किसी भी व्यक्ति के मन में आत्महत्या का विचार आए ही नहीं, ऐसा वातावरण तैयार करना परिवार के साथ-साथ समाज की भी बड़ी जिम्मेदारी है।(लेखक 35 वर्षों से साहित्य एवं पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार तथा कई पुस्तकों के लेखक हैं)

रूस-यूक्रेन जंग ने भर दी अमेरिकी रक्षा कंपनियों की झोली

ओआरएफ रिपोर्ट ने ट्रंप की पोल खोली

नतीजा यह है कि लॉकहीड मार्टिन, बोइंग, नॉर्थ्रॉप ग्रुम्मन जैसी अमेरिकी कंपनियां युद्ध के हर दिन मुनाफ़े की नई ऊंचाई छू रही हैं। नाटो देशों को भी अपने रक्षा बजट बढ़ाने के लिए बाध्य किया जा रहा है, जिससे अमेरिकी हथियार उद्योग के लिए और बड़े अवसर पैदा हो रहे हैं। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा युद्ध तीसरे वर्ष में प्रवेश कर चुका है। हजारों जानें जा चुकी हैं, लाखों लोग शरणार्थी बन गए हैं और यूरोप की सुरक्षा व्यवस्था गहरे संकट में है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में यह संघर्ष अभी भी किसी निर्णायक जीत या हार की ओर नहीं बढ़ पाया है।

(नीरज कुमार दुबे)

लेकिन अगर इस युद्ध के बीच किसी ने सबसे ठोस और वास्तविक लाभ कमाया है, तो वह हैं अमेरिकी रक्षा कंपनियां। थिंक टैंक ऑब्ज़र्वर रिसर्च फ़ाउंडेशन (ओआरएफ) की रिपोर्ट बताती है कि 2022 से अब तक अमेरिका ने यूक्रेन को लगभग 66.9 अरब डॉलर की सैन्य सहायता दी है। शुरुआती दौर में यह पैकेज सीधे मदद के रूप में था, लेकिन 2024 से अमेरिकी नीति ने करवट ली और अब यह हथियारों की बिक्री में बदल चुका है। अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने यूक्रेन को मिसाइलों, तोपों और हथियारों की आपूर्ति को 'बाज़ार' का रूप दे दिया है।

नतीजा यह है कि लॉकहीड मार्टिन, बोइंग, नॉर्थ्रॉप ग्रुम्मन जैसी अमेरिकी कंपनियां युद्ध के हर दिन मुनाफ़े की नई ऊंचाई छू रही हैं। नाटो देशों को भी अपने रक्षा बजट बढ़ाने के लिए बाध्य किया जा रहा है, जिससे अमेरिकी हथियार उद्योग के लिए और बड़े अवसर पैदा हो रहे हैं। विडंबना यह है कि राजनीतिक स्तर पर अमेरिका भारत पर रूस से तेल खरीदने के लिए उंगली उठाता है, लेकिन असली खेल उसके अपने सैन्य-औद्योगिक कॉम्प्लेक्स के मुनाफ़े से जुड़ा है। युद्ध चाहे लंबा खिंचे या किसी मोड़ पर थमे, अमेरिकी रक्षा कंपनियों के कैश रजिस्टर लगातार बढ़ते रहेंगे। यानी, रूस-यूक्रेन युद्ध का निष्कर्ष यह है कि मैदान में भले ही अभी कोई स्पष्ट विजेता न दिखे, लेकिन आर्थिक मोर्चे पर असली जीत अमेरिकी रक्षा उद्योग की हो चुकी है।

राजधानी में शारदीय नवरात्रि की तैयारियां जोरों पर

भोपाल। पित्रों विदाई के साथ ही शारदीय नवरात्रि शुरू होने जा रहे हैं। इसके पहले ही उत्सव की तैयारियां तेज हो गई है। शहर के कई स्थानों पर झांकियों और माता रानी का दरबार सजाने पंडाल बनने शुरू हो गए हैं। वहीं कलाकार मूर्तियों को अंतिम रूप देने लगे हैं। इस बार शहर की झांकियों में राजस्थानी संस्कृति की झलक भी दिखाई देगी। नवरात्रि पर दुर्गा उत्सव समितियों द्वारा बनाई गई झांकियां आकर्षण का केंद्र होगी। कहीं भक्तों को ज्योर्तिलिंग का आनंद लेंगे तो कहीं श्रद्धालुओं को मां नर्मदा परिक्रमा का रोमांच मिलेंगा। टीला जमालपुरा, कोटारा सुल्तानाबाद आदि स्थानों में प्रतिमा रखने झांकी बनाने का काम शुरू हो गया है। प्रतिमाओं की मांग को देखते हुए कलाकार द्वारा शहर के लगभग दो दर्जन से अधिक स्थानों पर प्रतिमाओं का निर्माण किया जा रहा है। बंगाल के भी कलाकार इसके मद्देनजर भोपाल में डेरा जमाए हुए हैं। शुरू हुई गरबे की तैयारी इस बार हवन-पूजा और अनुष्ठान के साथ-साथ बड़े पैमाने पर गरबा खेला जाएगा। गरबा की तैयारियां विभिन्न स्थानों पर शुरू हो गई है। प्रशिक्षण के लिये बड़ी संख्या में महिलाएं पहुंच रही है। 22 से शुरू होंगे शारदीय नवरात्रि पंचांग के अनुसार, आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि की शुरूआत 22 सितंबर को रात 01 बजकर 23 मिनट पर हो रही है। वहीं, इस तिथि का समापन 23 सितंबर को रात 02 बजकर 55 मिनट पर होगा।

केंद्र सरकार और मोदी मिलकर वनभूमियों पर चला रहे बुल्डोजर

कोयला खदान के लिए काटे जा रहे पेड़ों को लेकर कांग्रेस ने खोला मोर्चा, जयराम रमेश बोले....

भोपाल। सिंगरौली जिले में अडाणी समूह को आवंटित कोल माइंस को लेकर कांग्रेस लगातार केन्द्र और मप्र सरकार पर हमले कर रही है। पूर्व केन्द्रीय मंत्री जयराम रमेश ने बिना कानूनी अनुमतियों के वनक्षेत्र से पेड़ काटे जाने और वनाधिकार कानून, पेसा एक्ट के उल्ल्घंन का आरोप लगाया है। जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा कि सिंगरौली में मोदानी ने अपनी कोयला खदान के लिए सरकारी और वनभूमि पर पेड़ काटना शुरू कर दिया है। जंगलों की यह कटाई बिना स्टेज-टू फॉरेस्ट क्लियरेंस के और वनाधिकार अधिनियम, 2006 (एफआरए) व पेसा, 1996 का घोर उल्लंघन करते हुए। गांव वाले, जिनमें ज्यादातर अनुसूचित जनजाति समुदाय और यहां तक कि एक विशेष रूप से संवेदनशील

जनजातीय समूह शामिल हैं, इसका उचित ही विरोध कर रहे हैं। जयराम रमेश ने आगे लिखा कि यह कोयला ब्लॉक पांचवीं अनुसूची क्षेत्र में आता है, जहां आदिवासी अधिकार और स्वशासन के प्रावधान संवैधानिक रूप से सुरक्षित हैं। इन संरक्षणों को पूरी तरह नजरअंदाज किया गया है - ग्राम सभा से कोई परामर्श नहीं किया गया, जबकि पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम, 1996 और सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय स्पष्ट रूप से ग्राम सभा की सहमति को अनिवार्य ठहराते हैं। पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने लिखा कि वनाधिकार अधिनियम, 2006 के अनुसार, वनभूमि को गैर-वन उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल करने का फैसला ग्राम सभाएं करती हैं। लेकिन इस मामले में ग्राम सभा की मंजूरी को दरकिनार किया गया प्रतीत होता है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से लगभग 3,500 एकड़ प्रमुख वनभूमि के डायवर्जन के लिए स्टेज-टू अनुमति अभी तक नहीं मिली है - फिर भी मोदानी ने वनों की कटाई शुरू कर दी। परियोजनाओं के कारण पहले उजड़े परिवारों को अब फिर से बेदखली का सामना करना पड़ रहा है - यानी दोहरा विस्थापन। इस परियोजना के लागू होने से महुआ, तेंदू, औषधियां, ईंधन लकड़ी - सब कुछ समाप्त हो जाएगा। इसका सीधा असर आदिवासी समुदायों की आजीविका पर पड़ेगा।

मोदी सरकार ने 2019 में आवंटन किया था

जयराम रमेश ने लिखा- वन सिर्फ आजीविका ही नहीं हैं, बल्कि स्थानीय आदिवासी समूहों के लिए आस्था और संस्कृति का प्रतीक हैं। क्षतिपूरक वनरोपण इसका कोई वास्तविक या पारिस्थितिक विकल्प नहीं हो सकता। मोदी सरकार ने यह आवंटन 2019 में ऊपर से थोप दिया था, और अब 2025 में आवश्यक कानूनी मंजूरी के बिना ही इसे तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। मोदानी अपने आप में एक अपभ्रंश है।

न्यूज. ब्रीफ

प्रदेश भाजपा मुख्यालय में कोई नेता स्कूटी से आ रहा तो कोई पैदल

भोपाल। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सादगी और शालीनता का असर अब पार्टी पदाधिकारियों पर दिखाई देने लगा है। कुछ समय पहले पार्टी के जो पदाधिकारी लग्जरी गाडि?ों से कार्यालय पहुंचते थे। वे अब स्कूटी से कार्यालय आते देखे गए हैं। कुछ समय पहले तक जिन नेताओं की गाड़ी परिसर में मुख्य द्वार पर ठहरती थी, वे अब कार्यालय परिसर के बाहर ही वाहन से उतरकर पैदल आते दिखते हैं। हाल के दिनों में मप्र भाजपा के नेताओं की दिनचर्या में आए बदलाव की चर्चा भी जोरों पर हैं। दरअसल, मप्र भाजपा के अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल शानो-शौकत से दूर रहते हैं। वे सार्वजनिक तौर पर कह चुके हैं कि वे न तो गनमैन रखते हैं और न ही कार्यकताओं के भीड़ साथ लेकर चलने में भरोसा रखते हैं।

मिशन कर्मयोगी में स्कूल शिक्षा विभाग ने 2.30 लाख शिक्षकों का किया पंजीयन

भोपाल (ईएमएस)। स्कूल शिक्षा विभाग ने कार्यरत कर्मचारियों की संख्या के आधार पर पंजीकरण कर मिशन कर्मयोगी में 55 विभागों में 100 प्रतिशत उपलब्धि हासिल कर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। प्रदेश में 2 लाख 30 हजार शिक्षकों का द्वद्दशह्ल पोर्टल पर प्रशिक्षण देने के लिये पंजीकरण किया गया है। स्कूल शिक्षा विभाग ने केन्द्र सरकार के मिशन कर्मयोगी योजना में सरकारी शिक्षकों की कार्य क्षमता प्रशिक्षण के माध्यम से बढ़ाने के लिये मुहिम शुरू की है। देश में इस कार्यक्रम की शुरूआत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर मिशन कर्मयोगी के नाम पर की गई है।

रामसिंह पर केस दर्ज, कोर्ट में पेश; जेल भेजा जाएगा

भोपाल (ईएमएस)। संभागायुक्त कार्यालय में गुरुवार को हुई आगजनी मामले में कोहेफिजा पुलिस ने आरोपी रामसिंह अहिरवार (65) को आज कोर्ट में पेश कर दिया है। जहां से उसे जेल भेजा जाएगा। रामसिंह विदिशा जिले के गंजबासौदा तहसील के सियारी गांव का रहने वाला है। वह अपनी जमीन की फरियाद लेकर कमिश्नर ऑफिस आया था। जांच में सामने आया कि आरोपी की मां के नाम पर 2021 में मिला पट्टा निरस्त कर दिया गया था और जमीन पर रास्ता निकाल दिया गया। इसी को लेकर वह जिले में लगातार अधिकारियों के चक्कर काट रहा था, लेकिन समाधान न होने पर वह संभागायुक्त से मिलने आया था। उसका तीसरा नंबर था पर वह पहले मिलने की जिद कर रहा था, जब ऐसा नहीं हुआ तो इलेक्ट्रिक बोर्ड में डंडा मारा और पेट्रोल छिडककर सोफे में आग लगाई थी।

भोपाल नगर निगम में अब सारे काम होंगे ऑनलाइन

भोपाल। नगर निगम को पूरी तरह डिजिटल करने की तैयारी है। यहां की एक-एक फाइल ऑनलाइन अपलोड की जाएगी। इससे लोगों को सीवेज, साफ-सफाई, टैक्स व अन्य तरह की शिकायतें लेकर एक से दूसरी जगह भटकना नहीं पड़ेगा। वार्ड कार्यालय से लेकर नगर निगम कमिश्नर तक को की गई शिकायत कंप्यूटर पर दर्ज की जाएगी। इससे सभी अधिकारी एक क्लिक पर शिकायत की स्थिति देख सकेंगे। शहर में अलग-अलग 10 लोकेशन पर बने नगर निगम के कार्यालय के साथ वार्ड और जोन कार्यालय में रखे दस्तावेजों का आकलन भी शुरू कर दिया गया है। नगर निगम के सेकंड नंबर स्टॉप के पास बन रहे नए निगम मुख्यालय में सभी ऑफिस को शिफ्ट किया जाएगा।

एनएबीएल का सर्टिफिकेट ना मिल पाने के कारण लैब जारी नहीं कर पा रही

प्रदेश के 5 हजार से ज्यादा फूड सैंपल्स की रिपोर्ट अटकी

रिपोर्ट्स ना आने से मिलावटखोरों की चांदी, जमकर चल रहा मिलावट का कारोबार

भोपाल। एमपी अजब है-सबसे गजब है, यह टैगलाइन पर्यटन विभाग की जरूर है, लेकिन फिट खाद्य विभाग पर बैठती है। मध्य प्रदेश की एकमात्र सरकारी राज्य खाद्य प्रयोगशाला (स्टेट फूड लैब) में पिछले चार माह से काम बंद पड़ा है, जिसके कारण लैब द्वारा मई से ही पूरे प्रदेश से भेजे गए खाद्य सैंपलों की रिपोर्ट्स जारी नहीं की गई है। इसके कारण प्रदेश के 5 हजार से ज्यादा सैंपलों की रिपोर्ट अटकी हुई है। भोपाल में स्थित ये लैब सरकारी होने के बावजूद सरकार के ही नियमों में फंसी हुई है। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत पूरे देश में सभी सरकारी व निजी प्रयोगशालाओं को नेशनल एक्रीडिटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लैबोरेट्रीज (एनएबीएल) से सर्टिफिकेट लेना जरूरी है। इस सर्टिफिकेशन के बिना कोई भी लैब सैंपलों की जांच और रिपोर्ट जारी नहीं कर सकती है। स्टेट फूड लैब ने 2023 में यह सर्टिफिकेट लिया था। 2 साल की मान्यता वाला यह सर्टिफिकेशन मई में खत्म हो चुका है, इसके कारण मई से ही लैब में काम ठप पड़ा है। ऑडिट हुआ पर नहीं मिला सर्टिफिकेशन स्टेट फूड लब के अधिकारियों के मुताबिक लैब के

सर्टिफिकेट की वैधता समाप्त होने से पहले ही नए सर्टिफिकेशन के लिए एनएबीएल को आवेदन कर दिया गया था। एनएबीएल द्वारा सर्टिफिकेशन के लिए ऑडिट भी किया जा चुका है, लेकिन अब तक सर्टिफिकेशन नहीं हुआ है। इस पूरे मामले में अधिकारी कुछ छुपाते नजर आ रहे हैं क्योंकि अगर समय पर आवेदन किया जाता तो समय पर सर्टिफिकेट भी मिल जाता। कहा जा रहा है कि या तो आवेदन देरी से हुआ या जांच में कुछ कमियां पाई गई, जिनके सुधार के बाद दोबारा ऑडिट हुआ और देरी हुई। जांच जारी, रिपोर्ट्स अटकी स्टेट फूड लैब के अधिकारियों ने बताया कि लैब ने मई माह के अंत से एनएबीएल सर्टिफिकेशन ना होने के कारण रिपोर्ट्स जारी करना बंद कर दिया है। सिर्फ जिन सैंपलों की रिपोर्ट जिलों द्वारा प्राथमिकता पर मांगी जा रही हैं वे रिपोर्ट्स जारी की जा रही है। हालांकि पूरे प्रदेश से मिलने वाले सैंपलों की जांच का काम जारी है। सर्टिफिकेशन होते ही रिपोर्ट्स भी जारी करना शुरू कर दिया जाएगा।

ऑडिट में होती है बारीकी

अधिकारियों ने बताया कि एनएबीएल सर्टिफिकेशन के दौरान टीम हर एक चीज की बहुत ही बारीकी से जांच करती है। ऑडिट में यह तक देखा जाता है कि लैब में कितना केमिकल आया और उसे कितने सैंपलों की जांच की गई। एक सैंपल की जांच में औसत कितना केमिकल लगता है, क्या उतना केमिकल इस्तेमाल हुआ। मशीनों और उपकरणों का कैलिब्रेशन भी चेक किया जाता है, साथ ही मशीनों के चलने का बिजली का बिल तक ऑडिट में देखा जाता है, तभी यह प्रमाणित किया जाता है कि लैब द्वारा सभी रिपोर्ट्स पूरे तरीके से सही जांच के बाद जारी की गई है।

मिलावटखोरों को त्योहारों के सीजन में मिला छूट का सर्टिफिकेट

मई माह से ही फूड सैंपलों की रिपोर्ट्स जारी न होने के कारण पूरे प्रदेश में मिलावटखोरों को त्योहारों के सीजन में छूट का सर्टिफिकेट मिल गया है। रिपोर्ट्स ना आने के कारण कार्रवाई पूरी तरह से बंद है। इसके चलते जो मिलावटखोर गड़बड़ी कर रहे हैं, उन पर भी कोई लगाम नहीं है। समय पर रिपोर्ट आने पर मिलावटखोरों पर तुरंत कार्रवाई की जाती है, लेकिन रिपोर्ट्स के अभाव में अधिकारी चाह कर भी कोई कार्रवाई नहीं कर पा रहे हैं, जिससे त्योहारों के बीच इंदौर सहित पूरे प्रदेश में मिलावटखोर बेखौफ गड़बड़ी कर रहे हैं।

गोवा से कम नहीं गांधीसागर में एडवेंचर टूरिज्म

भोपाल। मप्र टूरिज्म बोर्ड ने गांधी सागर डैम के बैक वाटर में चौथे रिट्रीट मेले की तैयारी पूरी कर ली है। 12 सितंबर से शुरू होने वाले 2 दिवसीय मेले का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव करेंगे। इस मौके पर देश-विदेश के पर्यटकों की भागीदारी करने के लिए सरकार ने निजी कंपनी के जरिए विशेष सुविधाओं का भी इंतजाम किया है। यहां वाटर स्पोर्ट की ढेर सारी गतिविधियां होंगी। इसके साथ ही और भी कई प्रकार की रोमांचक एक्टिविटी कराने की तैयारी है। मप्र टूरिज्म बोर्ड ने इको-टूरिज्म प्रोजेक्ट की हाल में घोषणा की है। मंदसौर स्थित गांधी सागर फॉरेस्ट रिट्रीट का चौथा संस्करण इसमें शामिल किया। गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट का चौथा संस्करण 12 सितम्बर बैकवॉटर क्षेत्र में प्रारंभ होगा। गुजरात की निजी कंपनी और मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड के सहयोग से विकसित यह रिट्रीट लक्ज ?ी कैंपिंग, एडवेंचर टूरिज्म और सांस्कृतिक गतिविधियों भरा होगा। गांधीसागर में अब टेंट सिटी में पर्यटक हॉट-एयर बलूनिंग, पैरामोटरिंग, जेट स्कीइंग, कायाकिंग और मोटर बोटिंग जैसी रोमांचक गतिविधियों का आनंद ले सकेंगे। अभयारण्य में सफारी का लुत्फ भी लें रोमांचक गतिविधियों के साथ ही पर्यटक बांध से कुछ ही दूर हिंगलाजगढ़ किले की हेरिटेज ट्रेल और गांधीसागर अभयारण्य में वन्यजीव सफारी के साथ ही ग्रामीण जीवन के वास्तविक अनुभवों का भी आनंद ले सकेंगे। बांध एरिया में लगभग 2,500 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला एक बटरफ्लाई गार्डन भी विकसित किया गया है, जिसमें तितलियों को आकर्षित करने के लिए 4,000 से अधिक पोषक (होस्ट) और पराग (नेक्टर) प्रजातियों के पौधे लगाए गए हैं। पहले से ही 40 से अधिक तितली की प्रजातियां दर्ज की जा चुकी हैं। बटरफ्लाई गार्डन रहेगा आकर्षण का केंद्र इसके अलावा इस सीज? में चतुर्भुज नाला की प्राचीन शैलचित्र कला से प्रेरित रॉक आर्ट इंटरप्रिटेशन जोन तथा बायोडायवर्सिटी वॉक जैसी गतिविधियों को भी शामिल किया गया है। इससे पर्यटक इस क्षेत्र की पारिस्थितिक स्थिति से और गहराई से जुड़ सकेंगे। गांधी सागर फॉरेस्ट रिट्रीट के माध्यम से पर्यटक इस बार गाइडेड बटरफ्लाई गार्डन टूर, नेचर वॉक, बर्ड वाचिंग जैसे प्राकृतिक अनुभव के साथ प्रकृति से जुड़ सकेंगे। इसके साथ ही यहां वाटर स्पोर्ट्स में स्पीड बोट, कयाकिं जेट स्की जैसे एडवेंचर भी कर सकेंगे।

राजधानी में रविवार को हो सकती है झमाझम बारिश

भोपाल। वर्तमान में मप्र में कोई प्रभावी मौसम प्रणाली सक्रिय नहीं है, लेकिन बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी के कारण प्रदेश के अधिकतर जिलों में बादल बने हुए है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक रविवार को भोपाल, जबलपुर एवं नर्मदापुरम संभाग के जिलों में कहीं-कहीं वर्षा हो सकती है। उधर, बंगाल की खाड़ी में शुक्रवार को कम दबाव का क्षेत्र बना है। उसके प्रभाव से रविवार से भोपाल, इंदौर संभाग में झमाझम वर्षा होने के भी आसार हैं। शुक्रवार को सुबह साढ़े आठ बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक मलाजखंड में 24, नर्मदापुरम में 11, मंडला में 10, नरसिंहपुर में दो मिलीमीटर वर्षा हुई। ओडिशा पर हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात मौसम विज्ञान केंद्र के विज्ञानी वीएस यादव के मुताबिक वर्तमान में उत्तर-पश्चिम अरब सागर और उससे लगे पाकिस्तान पर गहरा कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। मानसून द्रोणिका श्री गंगानगर, बरेली, बाराबंकी, देहरी, पुरुलिया, दीघा से होते हुए बंगाल की खाड़ी तक जा रही है। उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश और उससे लगे दक्षिणी ओडिशा पर हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात बना हुआ है। हालांकि इन मौसम प्रणालियों का विशेष प्रभाव प्रदेश में नहीं है, लेकिन हवाओं के साथ लगातार आ रही नमी के कारण बादल बने हुए हैं। वर्षा का दौर थमने से तापमान में भी बढ़ोतरी हो रही है। इस वजह से जबलपुर, नर्मदापुरम, भोपाल संभाग में कहीं-कहीं वर्षा हो सकती है। मौसम विशेषज्ञ अजय शुक्ला ने बताया कि उत्तरी आंध्र प्रदेश के तट और दक्षिणी ओडिशा पर बने चक्रवात के शुक्रवार को कम दबाव के क्षेत्र में परिवर्तित हुआ है। उसके प्रभाव से रविवार से भोपाल, इंदौर संभाग के जिलों में झमाझम वर्षा होने की संभावना बन रही है।

नहर की जमीन पर बन रहा सपा का मप्र कार्यालय

तहसीलदार ने दिए स्थल निरीक्षण के आदेश, जांच रिपोर्ट के बाद होगी कार्रवाई

भोपाल। खजुराहो में बमीठा मार्ग और एयरपोर्ट की बाउंड्री के पास टिकुरी मौजा में बन रहे समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यालय का निर्माण एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। राजनगर नायब तहसीलदार ने 30 जनवरी 2025 को जारी स्थगन आदेश का पालन न होने पर टीम गठित कर 11 सितंबर 2025 को पुलिस बल की मौजूदगी में मौके का निरीक्षण कराने के आदेश जारी किए हैं। राजस्व अभिलेख और हल्का पटवारी की रिपोर्ट के अनुसार विवादित खसरा नंबर 973/2, 996/1/2, 95/2/2, 997/3/2 में सिंचाई विभाग की नहर दर्ज है।

आरोप है कि समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं ने नहर का स्वरूप बदलकर भूमि को समतल कर निर्माण शुरू कर दिया। जबकि आदेश में लिखा गया है कि स्थगन आदेश के बाद निर्माण जारी है और सिंचाई की नहर के स्वरुप को परिवर्तित किया जा रहा है। अनावेदक ने न तो प्रकरण में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और न ही अब तक निराकरण हुआ है। **स्थगन आदेश का पालन सुनिश्चित करें-** प्रशासन ने टीम को निर्देश दिया है कि स्थल पर जाकर स्थगन आदेश का पालन सुनिश्चित करें, वस्तुस्थिति की जांच करें और विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। यह विवाद उस समय सामने आया है जब समाजवादी पार्टी 19 और 20 सितंबर को खजुराहो में अपने चुनिंदा 500 कार्यकताओं की ट्रेनिंग कराने जा रही है। इस ट्रेनिंग के लिए सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव की ओर से यूपी के 4 सांसदों समेत 10 दिग्गज नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी है।

जांच दल की रिपोर्ट के बाद होगीन कार्रवाई

राजनगर तहसीलदार धीरज गौतम का कहना है कि समाजवादी पार्टी द्वारा गलत निर्माण किये जाने को लेकर एक आवेदन प्राप्त हुआ, जिसके बाद एक दल गठित किया गया है। जांच दल की रिपोर्ट के बाद कार्रवाई की जाएगी। नहर की जगह को छोड़कर निर्माण कर सकते हैं।

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी धूमधाम से मनाया जाएगा दशहरा उत्सव

मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने किया छोला दशहरा मैदान का निरीक्षण

भव्य तैयारियां और व्यापक व्यवस्थाएं

मंत्री सारंग ने बताया कि आगामी 2 अक्टूबर को छोला दशहरा मैदान में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हजारों की संख्या में नागरिक इस पावन उत्सव के साक्षी बनेंगे। इस अवसर पर दर्शकों के लिए पर्याप्त बैठक व्यवस्था की जा रही है। वाहनों के लिए पार्किंग की अलग से व्यवस्था होगी। मैदान के आसपास यातायात को सुचारू रखने हेतु विशेष ट्रैफिक प्लान तैयार किया गया है। नागरिकों के लिए शुद्ध पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए चिकित्सा दल एवं अग्निशमन दल तैनात रहेंगे।

भोपाल। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने शुक्रवार को दशहरा उत्सव की तैयारियों के संबंध में भोपाल शहर के ऐतिहासिक छोला दशहरा मैदान का निरीक्षण किया। मंत्री सारंग ने कहा कि कई वर्षों से भोपाल शहर का छोला दशहरा मैदान दशहरा उत्सव का प्रमुख केंद्र रहा है। यहां हर वर्ष हिन्दू उत्सव समिति भोपाल द्वारा भव्य और ऐतिहासिक दशहरा उत्सव मनाया जाता है और हर वर्ष बड़ी संख्या में शहरवासी इस ऐतिहासिक पर्व के साक्षी बनते हैं। मंत्री सारंग ने टाइमलाइन बनाकर तय समयावधि में तैयारियों को पूर्ण करने तथा भव्य, अनुशासित और सुरक्षित आयोजन सुनिश्चित करने हेतु संबंधितों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान हिन्दू उत्सव समिति, भोपाल के अध्यक्ष चन्द्रशेखर तिवारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, नगर निगम, पुलिस प्रशासन और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री सारंग ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की विजय का प्रतीक दशहरा असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की जीत का शाश्वत संदेश देता है।

प्रदेश भर में हुई आंगनबाड़ी कार्यकताओं की भर्ती पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप

दतिया जिला साहित्य प्रदेश भर में सैकड़ो करोड़ का हुआ भ्रष्टाचार

भोपाल। राजधानी भोपाल में दलित पिछड़ा समाज संगठन के दामोदर यादव ने प्रेस वार्ता कर कहा कि महिला बाल विकास विभाग मध्य प्रदेश द्वारा संपूर्ण प्रदेश में की गई आंगनबाड़ी कार्यकताओं की भर्ती प्रक्रिया में सैकड़ो करोड़ का भ्रष्टाचार होने का अनुमान है मेरे गृह जिला दतिया के तीनों विकास खंड में कुल 270 पद थे जिनकी भर्ती प्रक्रिया को भ्रष्टाचार की ओर भेंट चढ़ते हुए संबंधित अधिकारियों ने प्रदेश सरकार का मजाक बना दिया है जिसके प्रकरण प्रादेशिक

मीडिया के समक्ष रख रहा हूं उक्त बात दलित पिछड़ा समाज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं आजाद समाज पार्टी के वरिष्ठ नेता दामोदर सिंह यादव ने भोपाल में आयोजित पत्रकार वार्ता में कही।

संक्षिप्त समाचार

स्विट्जरलैंड ने भारतीय अल्पसंख्यकों की रक्षा की मांग की, भारत बोला- अपने देश के मुद्दों पर ध्यान दें

स्विट्जरलैंड एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद की 60वीं सत्र में बुधवार को भारत ने स्विट्जरलैंड और पाकिस्तान के बयानों का कड़ा जवाब दिया। दरअसल, स्विट्जरलैंड ने भारत से अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को मजबूत करने की मांग की थी। भारत के प्रतिनिधि क्षितिज त्यागी ने कहा, स्विट्जरलैंड ह्यूमन राइट्स का अध्यक्ष है। उन्होंने गलत जानकारी पर आधारित टिप्पणी की। त्यागी ने कहा- भारत एक विविध और जीवंत लोकतंत्र है, जो बहुलवाद को अपनाता है। स्विट्जरलैंड को अपने देश में नस्लवाद और भेदभाव जैसे मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए, न कि भारत के बारे में गलत बातें फैलानी चाहिए। इसी दौरान, पाकिस्तान ने भी भारत पर टिप्पणी की, जिसका भारत ने कड़ा जवाब दिया। त्यागी ने पाकिस्तान को आतंकवाद का समर्थक बताते हुए कहा, पाकिस्तान इस मंच का दुरुपयोग अपनी झूठी कहानियों के लिए करता है। पुलवामा, उरी, पठानकोट, मुंबई और हाल ही में पहलगाम जैसे हमलों में पाकिस्तान का हाथ रहा है।

गुनहगारों को नहीं छोड़ेंगे, चार्ली किर्क की हत्या पर ट्रंप का फूटा गुस्सा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को एक वीडियो संदेश जारी किया। इसमें उन्होंने यूटा वैली विश्वविद्यालय में अपने सहयोगी चार्ली किर्क की हत्या पर गहरा दुख और गुस्सा जताया। उन्होंने वादा करते हुए कहा कि उनका प्रशासन इस अत्याचार और अन्य प्रकार की राजनीति में शामिल हर एक शख्स को न्याय के कठघरे में पहुंचाएगा। अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर एक वीडियो पोस्ट में राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि सालों से, कट्टरपंथी वामपंथी चार्ली जैसे अद्भुत अमेरिकियों की तुलना नाज़ियों और दुनिया के सबसे बुरे सामूहिक हत्यारों और अपराधियों से करते रहे हैं। इस वीडियो संदेश में उन्होंने किर्क की हत्या को जघन्य और अमेरिका के लिए एक काला क्षण बताया। अपने वीडियो संदेश में अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि पिछले साल बटलर, पेंसिल्वेनिया में मेरे जीवन पर हुए हमले से लेकर आईसीई एजेंटों पर हमले, न्यूयॉर्क की सड़कों पर एक स्वास्थ्य सेवा अधिकारी की नृशंस हत्या, और सदन के बहुमत नेता स्टीव स्कैलिस और तीन अन्य की गोली मारकर हत्या तक। लोगों को चोट पहुंचाई है और बहुत से लोगों की जान ली है। राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया कि कट्टरपंथी वामपंथियों की बयानजाबी अमरिका में आतंकवादक के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि इसको तुरंत रोकना होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि मेरा प्रशासन उन सभी लोगों को ढूंढ निकालेगा जिन्होंने इस अत्याचार और अन्य राजनीतिक हिंसा में योगदान दिया है, जिनमें वे संगठन भी शामिल हैं जो इसे वित्तपोषित और समर्थित करते हैं, साथ ही वे लोग भी जो हमारे न्यायाधीशों, कानून प्रवर्तन अधिकारियों और हमारे देश में व्यवस्था बनाए रखने वाले अन्य सभी लोगों के पीछे पड़े हैं।

कनाडा में खिड़की तोड़ डेकेयर में घुसी कार, 18 महीने के बच्चे ने तोड़ा दम व 9 घायल

टोरंटो एजेंसी। टोरंटो के उत्तर में स्थित रिचमंड हिल में बुधवार को एक कार बालवाटिका (डेकेयर) की खिड़की तोड़ते हुए अंदर घुस गयी, जिससे एक बच्चे की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। यॉर्क क्षेत्रीय पुलिस ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि यह घटना ओंटारियो के रिचमंड हिल में 'योंगे स्ट्रीट और 'नॉटिंघम ड्राइव के पास हुई। पुलिस ने बताया कि मृतक बच्चे की उम्र महज डेढ़ वर्ष थी। इस हादसे में 18 महीने से तीन साल के बीच छह अन्य बच्चे भी घायल हुए, जिनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। साथ ही पुलिस ने बताया कि बालवाटिका के तीन कर्मचारी भी घायल हुए हैं। पुलिसकर्मी केविन नेब्रिजा ने बताया कि इस मामले में एसयूवी के 70 वर्षीय चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है और पुलिस का मानना है कि यह हादसा जानबूझकर किया गया कृत्य नहीं था बल्कि गलती से हुआ।

अगला नंबर आपका, छोड़ने वाला नहीं इजरायल

डर और बौखलाहट में हिजबुल्ला ने खाड़ी देशों को चेताया

बेरूत , एजेंसी। लेबनान के चरमपंथी समूह हिजबुल्ला के नेता ने बुधवार को कहा कि कतर पर इजरायल का हमला खाड़ी देशों के लिए एक चेतावनी है कि अगर क्षेत्र में चमरपंथी समूहों की हार हुई तो भविष्य में उन्हें भी नहीं बख्शा जाएगा। कतर की राजधानी दोहा में फलस्तीनी चरमपंथी समूह हमास के राजनीतिक नेतृत्व पर इजरायल के हमले के बाद हिज्बुल्ला के नेता नईम कासिम ने यह टिप्पणी की है।

कतर की सरकार गाजा में जारी युद्ध को खत्म कराने में एक मुख्य मध्यस्थ की भूमिका निभा रही है। हमास ने कहा है कि इजराइली हमले में उसके पांच सदस्यों की मौत हुई है। जबकि कतर के एक सुरक्षा अधिकारी की भी जान चली गई है। कासिम ने कहा, हम कतर के साथ हैं जिस पर आक्रमण हुआ है और हम फलस्तीनी प्रतिरोध का भी समर्थन करते हैं।

उन्होंने कहा कि यह हमला मध्य एशिया के एक बड़े हिस्से पर ग्रेटर इजरायल स्थापित करने के इजरायल के प्रयासों का एक हिस्सा है। उन्होंने इजरायल से सामान्य

संबंध रखने वाले बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात जैसे खाड़ी के देशों की ओर इशारा करते हुए कहा, अगर प्रतिरोध करने वालों को दुश्मन हरा देता है तो अगला नंबर आपका होगा।

बता दें कि मंगलवार को इजरायल ने कतर की राजधानी दोहा में हमास के ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी। माना जा रहा है कि इजरायल का यह हवाई हमला हमास को बंधकों की रिहाई के लिए बातचीत करने के लिए मजबूर करने में कारगर साबित हो सकता है। दोहा में इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) के हमलों ने आतंकवादी समूह हमास के उन नेतृत्व को खत्म कर दिया है जिसने 7 अक्टूबर 2023 को हुए नरसंहार की योजना बनायी थी और जिसमें 1200 लोग मारे गए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि फिलहाल जीवित बचे एकमात्र हमास नेता खालिद मशाल हैं क्योंकि वह दोहा परिसर में मौजूद नहीं थे जहां हमला हुआ था। नेतन्याहू ने कहा कि 11 सितंबर के हमले के तुरंत बाद अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में एक प्रस्ताव पेश किया था। इसमें कहा गया था कि कोई भी आतंकियों को शरण न दे और वे जहां भी होंगे, वहीं पर मारा जाएगा। इजरायली पीएम ने कहा कि हम भी उसी नीति पर काम कर रहे हैं। हमास के आतंकी जहां भी होंगे, हम उन्हें मार गिराएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि कतर की ओर से हमास के आतंकियों को पाला जा रहा है। उनके लोगों को बंगले दिए जा रहे हैं और पैसे दिए जा रहे हैं। इसी रकम से वे इजरायल के खिलाफ आतंकवाद को बढ़ावा दे रहे हैं।

इजरायल के नेता ने कहा, हम वही कर रहे हैं, जो अमेरिका ने किया था। जैसे उन्होंने अफगानिस्तान में घुसकर अलकायदा के आतंकी मारे थे और पाकिस्तान में बिन लादेन को ढेर किया था। उन्होंने कहा कि यह दुख की बात है कि जिन देशों ने लादेन को मारे जाने पर अमेरिका की सराहना की थी।

मेक्सिको में गैस टैंकर में जोरदार धमाका, तीन की मौत और 70 घायल

18 वाहन सड़क पर खाक

मेक्सिको , एजेंसी। मेक्सिको सिटी से एक बड़े हादसे की खबर सामने आई है। यहां पर एक प्रमुख राजमार्ग पर एक गैस टैंकर में अचानक ब्लास्ट हो गया। इस धमाके के कारण लोगों में दहशत फैल गई।

बताया जा रहा है कि इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है। वहीं, इस घटना में 70 से अधिक घायल हुए हैं। मेक्सिको सिटी की मेयर ने इस घटना के बारे में विस्तृत जानकारी दी है।

18 वाहन जलकर हुए खाक: बता दें कि मेक्सिको सिटी की मेयर क्लारा ब्रुगाडा ने इस घटना को इमरजेंसी के तौर पर बताया। उन्होंने बताया कि टैंकर में हुए विस्फोट के कारण आसपास मौजूद 18 वाहन जल गए। वहीं, इस हादसे में गंभीर रूप से घायल 19 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है।

सिटी मेयर का कहना है कि इस मामले की जांच अधिकारियों को सौंप दी गई है। हालांकि, शुरुआती स्थिति को देखते हुए माना जा रहा है कि हाईवे पर ट्रक के पलटने के बाद विस्फोट हुआ।

सुशीला कार्की को फुल सपोर्ट रहेगा

बालेंद्र शाह ने बताया क्यों ठुकराया नेपाल के पीएम का पद

काठमांडु, एजेंसी। नेपाल में जेन-जेड प्रदर्शन के बाद अब सुशील कार्की को अंतरिम पीएम बनाया जाएगा। इसके बाद काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह का फेसबुक पोस्ट सामने आया है। उन्होंने अपने ट्वीट में ये भी बताया है कि क्यों उन्होंने पीएम पद लेने के लिए हामी नहीं भरी थी। बालेंद्र शाह ने पोस्ट में लिखा, प्रिय जेन-जी और सभी नेपालियों से मेरा अनुरोध है कि देश इस समय अभूतपूर्व स्थिति से गुजर रहा है। आप अब एक सुनहरे भविष्य की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। कृपया इस समय घबराएं नहीं; धैर्य रखें। अब देश को एक अंतरिम सरकार मिलने वाली है, जो देश में नए चुनाव कराएगी। इस अंतरिम सरकार का काम चुनाव कराना और देश को एक नया जनादेश देना है। शाह ने आगे लिखा, मैं पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की) को इस अंतरिम/चुनावी सरकार का नेतृत्व सौंपने के आपके प्रस्ताव का पूर्ण समर्थन करता हूं। मैं आपकी समझ, बुद्धिमत्ता और एकता का तहे दिल से सम्मान करता हूं। इससे पता चलता है कि आप कितने परिपक्व हैं। मैं अपने उन दोस्तों से, जो इस समय नेतृत्व संभालने की जल्दी में हैं, यही कहना चाहता हूं कि देश को आपके जुनून, आपकी सोच और आपकी ईमानदारी की स्थायी रूप से जरूरत है, अस्थायी रूप से नहीं। इसके लिए चुनाव होंगे। कृपया जल्दबाजी न करें। माननीय राष्ट्रपति जी, जेन-जी की ओर से लाई गई ऐतिहासिक क्रांति की रक्षा के लिए, एक अंतरिम सरकार का गठन किया जाना चाहिए और संसद को अविलंब भंग किया जाना चाहिए। बालेंद्र शाह ने परोक्ष रूप से फेसबुक पोस्ट में बता दिया है कि क्यों उन्होंने पीएम पद को स्वीकार नहीं किया। दरअसल सुशील कार्की नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री बनी हैं।

मशहूर सिंगर की टेस्ला कार में मिली रहस्यमयी लाश...

लास एंजिल्स, एजेंसी। म्यूजिक इंडस्ट्री से एक ऐसी चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसने उनके फैंस और आम लोगों को झकझोर कर रख दिया है। लोकप्रिय अमेरिकी युवा सिंगर डी4वीडी की लग्जरी टेस्ला कार में एक अज्ञात शव मिलने से हड़कंप मच गया है। ये मामला तब सामने आया जब एक टो यार्ड से बदबू आने की शिकायत के बाद स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

लाश बैग में बंद, गाड़ी से आ रही थी दुर्गंध

पुलिस के अनुसार, यह घटना सोमवार दोपहर लगभग 12:20 बजे की है, जब लॉस एंजिल्स के मैन्सफील्ड एवेन्यू स्थित एक टो यार्ड में खड़ी एक कार से तेज दुर्गंध आने की सूचना मिली। जब अधिकारियों ने कार की तलाशी ली, तो उसमें एक बैग के अंदर एक शव मिला। यह गाड़ी डेविड एंथनी बर्क के नाम पर रजिस्टर्ड है, जो डी4वीडी का असली नाम है।

गौरतलब है कि यह कार कुछ दिनों से वहीं खड़ी थी और तब से किसी ने उस पर ध्यान नहीं दिया था। शव की स्थिति और पहचान को लेकर पुलिस अभी कोई पुख्ता जानकारी नहीं दे रही है, लेकिन मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक जांच और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले

जा रहे डी4वीडी के एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि सिंगर को इस घटना की जानकारी दे दी गई है। फिलहाल वह अपने टूर पर हैं, लेकिन फिर भी वह जांच एजेंसियों से पूरी तरह सहयोग कर रहे हैं। प्रवक्ता ने यह भी स्पष्ट किया कि इस मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरत रहे और जैसे-जैसे जानकारी सामने आएगी, वह बयान जारी करते रहेंगे। डी4वीडी, जिनका असली नाम डेविड एंथनी बर्क है, अमेरिका के क्वींस में जन्मे और बाद में ह्यूस्टन, टेक्सास में पले-बढ़े। महज 20 साल की उम्र में उन्होंने म्यूजिक इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई। उन्होंने 2023 में दो श्वक्र रिलीज किए थे और 2024 में अपना पहला स्टूडियो एल्बम लॉन्च किया। उनका गाना बिलबोर्ड हॉट 100 में 75वें नंबर तक पहुंचा था। स्पोटिफी पर उनके हर महीने 33 मिलियन से अधिक लिसनर्स हैं और टिकटाक पर उनके 3.7 मिलियन से अधिक फॉलोअर्स हैं, जो उनकी बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है।सूत्रों के मुताबिक, सिंगर का टूर अभी जारी है और वे मंगलवार को मिनियापोलिस और बुधवार को कैनसस सिटी में परफॉर्म करने वाले हैं।

जिम ट्रेनर मरीज से बनाए शारीरिक संबंध

एनेस्थेटिक दवा देकर महिला डॉक्टर करती थी गंदी हरकतें, मेडिकल लाइसेंस रद्द

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा में भारतीय मूल की फैमिली फिजिशियन डॉक्टर सुमन खुलबे का मेडिकल करियर उस वक्त संकट में आ गया जब उन पर अपने मरीजों के साथ निजी, व्यावसायिक और यौन संबंध रखने के गंभीर आरोप साबित हो गए। अपने मेडिकल नियमों की मर्यादा तोड़ने वाले इन आरोपों के चलते उन्हें अब मेडिकल प्रैक्टिस से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

यह फैसला कॉलेज ऑफ फिजिशियन्स एंड सर्जन्स ऑफ ओंटारियो की जांच और सुनवाई के बाद लिया गया, जिसमें खुलासा हुआ कि डॉक्टर खुलबे ने एक पुरुष मरीज के साथ यौन संबंध बनाए और दो अन्य मरीजों से भी अनुचित स्तर के निजी और कारोबारी रिश्ते बनाए। इस पूरे मामले ने मेडिकल समुदाय और समाज को हैरान कर दिया है।जांच में सामने आया कि खुलबे ने न सिर्फ मरीजों के

साथ निजी मेलजोल बढ़ाया, बल्कि उन्हें दोस्त, जिम पार्टनर, बिजनेस एसोसिएट और सामाजिक आयोजनों का हिस्सा भी बना लिया। एक मरीज के साथ तो उन्होंने कथित तौर पर यौन संबंध बनाए, जिसमें ओरल सेक्स और अन्य यौन क्रियाएं शामिल थीं।

एक जिम ट्रेनर ने आरोप लगाया कि खुलबे ने उसे इलाज के दौरान प्रोकेन (एक एनेस्थेटिक दवा) दिया और उसके नशे में रहने की अवस्था में यौन संबंध बनाए गए। इस ट्रेनर ने यह भी बताया कि शुरू में उसे विटामिन थेरेपी दी जाती थी। ट्रेनर का कहना था कि खुलबे ने थेरेपी के दौरान उसके गुप्तांगों को छुआ और उसे मानसिक रूप से प्रभावित किया। उसने यह भी दावा किया कि इस दौरान वह खुलबे के प्रभाव में था और उसे पूरी तरह नहीं पता था कि उसके साथ क्या हो रहा है।

कोर्ट दस्तावेजों के अनुसार, ट्रेनर का आरोप है कि खुलबे ने उसके प्राइवेट पार्ट पर हाथ रखकर सांस लेने के व्यायाम कराए। इतना ही नहीं यौन कृत्यों में ओरल सेक्स, मैनुअल स्टिमुलेशन शामिल थे, और ये घटनाएं तब हुईं जब उसे प्रोकेन (एक एनेस्थेटिक दवा) दी जाती थी।

खुलबे पर यह भी आरोप है कि उन्होंने अपने क्लिनिक में सामाजिक आयोजन किए जिनमें शराब परोसी गई और प्रोकेन जैसी दवाओं का बिना सही प्रक्रिया के इस्तेमाल किया गया। इन आयोजनों में भी मरीज शामिल होते थे। कॉलेज की समिति ने अपने फैसले में कहा कि डॉक्टर और मरीज के रिश्ते को लेकर संस्था की नीति बहुत स्पष्ट है- चाहे संबंध सहमति से ही क्यों न हो, यह अनैतिक माना जाएगा। डॉक्टर खुलबे ने इन मूलभूत चिकित्सा नियमों की खुलेआम अनदेखी की। डॉ. सुमन खुलबे ने इन सभी आरोपों को एकतरफा करार देते हुए कहा कि उन्हें न्याय नहीं मिला।

पार्टनर के लिए छोटी होने की चाहत

हाइट कम करने को महिलाएं करवा रही हैं सर्जरी

इस्तांबुल , एजेंसी। अब तक आपने पुरुषों के लेग-लेंथनिंग सर्जरी (ऊंचाई बढ़ाने) की खबरें खूब सुनी होंगी, लेकिन तुर्की में अब महिलाओं के बीच ठीक उलटा चलन सामने आया है। लिंब-शॉर्टनिंग सर्जरी यानी जान-बूझकर कद कम करवाना। क्या है वजह? प्यार और रिलेशनशिप में रहने वाली लड़कियों और महिलाओं को ज्यादा लंबी दिखने में झिझक होने लगी है। इसलिए वे ऐसा करवा रही हैं।

डॉक्टर जांघ या पिंडली की हड्डी को काटकर उसका कुछ हिस्सा निकाल देते हैं। बची हुई हड्डी को स्टील रॉड से जोड़ा जाता है। जांघ की लंबाई अधिकतम 5.5 सेंटीमीटर और पिंडली की लंबाई लगभग 3 सेंटीमीटर तक कम की जा सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक महिला ने अपना कद 172 सेमी (5 फिट पौने 8 इंच) से घटाकर 167.9 सेमी (5 फिट 6 इंच) करवा लिया।

इस्तांबुल की कई क्लीनिक इस सर्जरी को लक्जरी पैकेजमें बेच रही हैं। इसमें अस्पताल में भर्ती, शहर की सैर, रेस्तरां डिनर और यहां तक कि बोट राइड भी शामिल हैं। लेकिन सर्जरी के बाद की हकीकत बेहद दर्दनाक होती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक महीनों तक रिकवरी में लग जाती हैं। कई बार व्हीलचेयर पर रहना पड़ता है।

ट्रंप की गलतियों से 20 साल पीछे जा सकते हैं भारत-अमेरिका के रिश्ते, यूएस सांसदों की चेतावनी

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई टैरिफ नीतियों और कूटनीतिक गलतियों ने भारत और अमेरिका के बीच 25 साल की मेहनत से बने रिश्तों को खतरे में डाल दिया है।

एक प्रमुख डेमोक्रेट सांसद और कई पूर्व अमेरिकी राजनयिकों ने चेतावनी दी है कि अगर ये हालात नहीं सुधरे, तो दोनों देशों के बीच की साझेदारी को गहरा नुकसान हो सकता है।

इस मुद्दे पर चर्चा के लिए एक आपातकालीन कॉन्फ्रेंस कॉल बुलाई गई, जिसमें भारत-अमेरिका रिश्तों की अहमियत को बचाने की आवाज उठी।

कांग्रेसनल इंडिया कॉकस के सह-अध्यक्ष सांसद रो खन्ना ने इसका आयोजन किया। इसमें पूर्व अमेरिकी राजदूत रिच वर्मा और एरिक गार्सेटी के साथ-साथ उद्योगपति विनोद खोसला और भारतीय मूल के टेक लीडर्स शामिल हुए। यह कॉल इस बात का सबूत है कि भारतीय-अमेरिकी समुदाय में इस रिश्ते को लेकर कितनी बेचैनी है। रिश्ते को बचाने के लिए अलार्म बजाना जरूरी रो खन्ना ने साफ कहा, मैं ये कॉल तब तक न बुलाता, जब तक बात गंभीर न होती। हमें इस रिश्ते को बचाने के लिए अलार्म बजाना जरूरी है। खन्ना ने पहले भी एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक वीडियो में भारत-अमेरिका रिश्तों में आ रही गिरावट पर चिंता जताई थी। उनकी इस पहल से साफ है कि वो इस मुद्दे को कितनी गंभीरता से ले रहे हैं। इस कॉल में शामिल पूर्व राजदूतों ने भी हालात की गंभीरता को रेखांकित किया। रिंच वर्मा ने कहा कि पिछले दो महीनों में ट्रंप की नीतियों ने 25 साल की मेहनत को मिट्टी में मिला दिया। बिल क्लिंटन की भारत यात्रा का जिक्र उन्होंने 2000 में तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की भारत यात्रा का जिक्र किया, जब अमेरिका ने भारत-पाकिस्तान नीति को अलग-अलग करने का फैसला किया था। इसने दोनों देशों के बीच व्यापार, लोगों के आपसी रिश्ते, स्वच्छ ऊर्जा और रक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग की नींव रखी थी।

पृथ्वी अकेली नहीं, मंगल ग्रह पर भी था जीवन? नासा के रोवर की खोज से हिले वैज्ञानिक

वाशिंगटन, एजेंसी।
लाल ग्रह मंगल पर जीवन की खोज लंबे समय से वैज्ञानिकों का सपना रही है। अब, अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के पर्सिवरेंस रोवर ने एक ऐसी खोज की है जो इस सपने को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हो सकती है। रोवर द्वारा एकत्रित एक चट्टान के नमूने में प्राचीन सूक्ष्मजीवों के संभावित जीवाश्म या जैविक संकेत मिले हैं, जो मंगल पर अरबों वर्ष पुराने जीवन की ओर इशारा करते हैं। अगर ये खोज सही साबित हो जाती है तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि पृथ्वी अकेली नहीं है जहां जीवन है। हालांकि, वैज्ञानिक स्पष्ट करते हैं कि यह अभी पुष्टि नहीं हुई है और किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले 'पर्सिवरेंस' द्वारा

वहां एकत्र किए गए नमूनों का पृथ्वी की प्रयोगशालाओं में गहन विश्लेषण जरूरी है।

नासा के वैज्ञानिकों ने बुधवार को इस खोज की घोषणा की, जो पत्रिका नेचर में प्रकाशित एक शोध पत्र पर आधारित है। यह खोज मंगल के जीवन की तलाश में अब तक की सबसे मजबूत संभावना मानी जा रही है। नासा की साइंस मिशन डायरेक्टोरेट की एसोसिएट एडमिनिस्ट्रेटर निक्की फॉक्स ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, यह हमारे अविश्वसनीय पर्सिवरेंस रोवर की खोज है, जो मंगल पर प्राचीन जीवन की खोज के सबसे करीब पहुंच गई है।

वर्ष 2021 से मंगल ग्रह पर घूम रहा यह रोवर सीधे तौर पर जीवन का पता नहीं लगा सकता। इसके बजाय, यह चट्टानों और नलियों में छेद करने के लिए एक ड्रिल लेकर चलता है ताकि अरबों साल पहले जीवन के लिए सबसे उपयुक्त माने गए स्थानों से एकत्र किए गए नमूनों को रखा जा सके। नमूनों को पृथ्वी पर वापस लाने की प्रतीक्षा है। यह एक महत्वाकांक्षी योजना है, जो नासा द्वारा सस्ते, त्वरित विकल्पों की तलाश के कारण रोक दी गई है। दो वैज्ञानिकों एसईटीआई संस्थान के जेनिस बिशप और मैसाचुसेट्स एमहर्स्ट विश्वविद्यालय के मारियो पेरेंटे ने इसे एक रोमांचक खोज बताते हुए कहा कि इसके लिए गैर-जैविक प्रक्रियाएं जिम्मेदार हो सकती हैं। स्टोनी ब्रुक विश्वविद्यालय के प्रमुख शोधकर्ता जोएल ह्यूरोविट्ज़ ने कहा, यही कारण है कि हम यह नहीं कह सकते कि यह जीवन का सकारात्मक प्रमाण है। यह खोज तब हुई, जब पर्सिवरेंस रोवर मंगल के जेरो क्रेटर में एक प्राचीन सूखी नदी घाटी का पता लगा रहा था। क्रेटर मंगल ग्रह के उत्तरी गोलार्ध में स्थित है, यह कभी एक विशाल झील था जहां नदियां बहती थीं।

रीवा मेडिकल हब बनने की ओर अग्रसरः उप मुख्यमंत्री शुक्ल

संजय गांधी हॉस्पिटल में डक्ट कूलिंग सिस्टम का किया लोकार्पण

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने संजय गांधी अस्पताल रीवा में डक्ट कूलिंग सिस्टम और 17 व्हील चेयर का लोकार्पण किया। डक्ट कूलिंग सिस्टम से दो वार्डों में रोगियों और उनके परिजनों को शीतल हवा मिलेगी। इसका निर्माण आइनॉक्स कंपनी द्वारा 20 लाख रुपए की लागत से किया गया है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि रीवा तेजी से मेडिकल हब बनने की ओर अग्रसर है। उपचार के लिए नागपुर जाने वाले रोगियों की संख्या में कमी आई है। कुछ ही महीनों में कैंसर यूनिट का निर्माण पूरा होते ही रीवा में दो सौ बेड का कैंसर अस्पताल शुरू हो जाएगा। इसमें 40 करोड़ रुपए की लागत से लीनेक मशीन लगाई जा रही है। इस अस्पताल में कैंसर के उपचार की आधुनिकतम सुविधा उपलब्ध रहेगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि चिकित्सा सुविधाओं के विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। संजय गांधी अस्पताल में सुधार तथा नई व्यवस्थाओं के लिए 321 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। सर्जरी विभाग में सिंगरौली की एनसीएल कंपनी द्वारा दी गई 6 करोड़ रुपए की सहयोग राशि से आधुनिक मशीन लगाई जा रही है। यहाँ के डॉक्टर बहुत योग्य हैं। डॉक्टर और चिकित्साकर्मी अस्पतालों की आत्मा हैं। उन्होंने कहा कि रोगियों का अच्छा उपचार करने के साथ उनसे मृदु व्यवहार भी करें। डॉक्टर के अच्छे व्यवहार से रोगी का आधा रोग ठीक हो जाता है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि आईनॉक्स कंपनी ने कोरोना संकट के समय ऑक्सीजन की आपूर्ति करके सराहनीय कार्य किया। कंपनी ने संजय गांधी अस्पताल के दो वार्डों में कूलिंग सिस्टम लगाया है। आईनॉक्स कंपनी के प्रतिनिधि श्री अतुल कुमार ने कहा कि कंपनी प्रतिदिन 4500 टन ऑक्सीजन का निर्माण कर रही है। कोरोना काल में प्रतिदिन 40 टैंकर ऑक्सीजन की आपूर्ति प्रदेश को की जा रही थी। जनकल्याण के लिए कंपनी सदैव सहयोग करेगी।

लेखापाल की संदिग्ध मौत पर चक्का जाम, मंत्री राजपूत के आश्वासन पर खत्म हुआ विरोध

दुःख की घड़ी में सरकार पीड़ित परिजनों के साथ, जांच कर आरोपी पर सख्त कार्रवाई कीगोविंद सिंह जाएगी : राजपूत

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

सागर जिले की राहतगढ़ नगर परिषद के लेखापाल हेमराज कोरी (57) की गुरुवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद शुक्रवार को राहतगढ़ में मृतक के परिवारजनों एवं नगर परिषद के कर्मचारियों व राहतगढ़ के लोगों द्वारा चक्काजाम किया गया। जाम की सुचना मिलते ही मंत्री गोविंद सिंह राजपूत तुरंत मौके पर पहुंचे।

मंत्री राजपूत ने मौके पर पहुंचकर पीड़ित परिजनों से बात की, उनकी मांगों को गंभीरता पूर्वक सुना एवं जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। मंत्री राजपूत ने परिजनों को समझाइश देकर शांतिपूर्वक जाम को खुलवाया। पीड़ित परिजनों ने मंत्री राजपूत को बताया कि हेमराज कोरी लेखपाल के रूप में नगर परिषद में पदस्थ थे। सत्येंद्र जैन नामक युवक द्वारा आरटीआई लगाकर लगातार उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा था। साथ ही उनसे लगातार पैसों की मांग करता था। परिजनों और कर्मचारियों ने सत्येंद्र जैन पर आरटीआई के नाम पर 40 लाख रुपए की मांग का आरोप लगाया, जिसके दबाव में और मानसिक रूप से प्रताड़ित होकर नगर परिषद के लेखपाल हेमराज ने आत्महत्या की। शुक्रवार को पीड़ित परिजनों, नगर परिषद कर्मचारियों और राहतगढ़ के हजारों नागरिकों ने फर्जी तरीके से आरटीआई लगाकर डरा धमका कर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने वाले सत्येंद्र जैन के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग को लेकर मुख्य सड़क पर चक्का जाम किया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए क्षेत्रीय विधायक और मंत्री गोविंद सिंह राजपूत तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों और आक्रोशित नागरिकों से संवेदनशीलता के साथ बात की एवं मंत्री राजपूत ने पीड़ित परिजनों की मांगों को सुना, एवं उन्हें अस्वस्थ किया कि आरोपी के खिलाफ जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी। मंत्री राजपूत ने पीड़ित परिवारजनों से अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि, दुख की इस घड़ी में पीड़ित परिवार और राहतगढ़ के लोगों के साथ हूं। परिवार जनों के लिए हर संभव मदद प्रदान की जाएगी। दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। मंत्री श्री राजपूत ने एसडीएम और टीआई को सत्येंद्र जैन के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और उसके द्वारा दायर आरटीआई की जांच करने के निर्देश दिए, ताकि फर्जी प्रकरणों का खुलासा हो सके। मंत्री श्री राजपूत ने पीड़ित परिवार जनों को आश्वासन दिया कि दोषी के खिलाफ जांच कर सख्त कार्रवाई की जाएगी एवं आरोपी पाए जाने पर उसके खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा।

प्रदेश की धरोहर को विश्व स्तर पर पहचान दिलाने के लिए प्रयासरत प्रदेश सरकार: सीमा सिंह जादौन

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष सीमा सिंह जादौन ने मध्यप्रदेश को 'बेस्ट स्टेट टूरिज्म बोर्ड' अवॉर्ड दिए जाने पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं केन्द्रीय मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान मध्यप्रदेश की जनता तथा प्रदेश की ऐतिहासिक, प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक संपन्नता का सम्मान है। डॉ. मोहन यादव सरकार लगातार प्रदेश की धरोहर को विश्व स्तर पर पहचान दिलाने के लिए प्रयासरत है। भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष सीमा सिंह जादौन ने कहा कि मध्यप्रदेश को नई दिल्ली में इंडिया ट्रैवल अवॉर्ड्स 2025 समारोह में 'बेस्ट स्टेट टूरिज्म बोर्ड' अवॉर्ड प्रदान किया गया है। राष्ट्रीय स्तर पर मिले इस सम्मान से भारत के पर्यटन क्षेत्र में नवाचार, उत्कृष्टता और सतत विकास को लेकर मध्यप्रदेश की अग्रणी भूमिका रेखांकित होती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने पर्यटन को विकास की धुरी बनाने का संकल्प लिया है। प्रदेश की ऐतिहासिक धरोहर, प्राकृतिक संपदा और लोक-परंपराओं को विश्वस्तर पर पहचान दिलाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव लगातार प्रयासरत हैं। भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती सीमा सिंह जादौन ने कहा कि मध्यप्रदेश को पर्यटन के क्षेत्र में मिला 'बेस्ट स्टेट टूरिज्म बोर्ड' अवॉर्ड न केवल राज्य की पहचान, बल्कि रोज़गार और आत्मनिर्भरता के प्रयासों को मजबूती देगा।

एलएनसीटी यूनिवर्सिटी की छात्राओं ने महिला थाने का किया भ्रमण

भोपाल। एल एन सी टी युनिवर्सिटी की छात्राओं ने आज महिला थाना का भ्रमण किया। महिला थाना विजिट का नेतृत्व प्रो. (डॉ.) मुकेश कुमार साहू (डीन एंड डायरेक्टर, स्कूल ऑफ लीगल स्ट्डीज, एल एन सी टी युनिवर्सिटी) ने किया।इस दौरान विश्वविधालय के अध्यापकों सहित बड़ी संख्या में छात्राएं मौजूद रहीं। विजिट के दौरान छात्राओं ने महिला थाना की कार्यप्रणाली का अवलोकन किया तथा व्यावहारिक ज्ञान अर्जित किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने महिलाओं से संबंधित अपराध की शिकायत का निपटान, अन्वेषण, गिरफ्तारी, सुलह सहित अन्य विधिक कार्यवाहियों की जानकारी प्राप्त की। विजिट का समापन प्रो. (डॉ.) मुकेश कुमार साहू द्वारा श्रीमती अंजना यादव (टी. आई.,महिला थाना, जहांगीराबाद,) को स्मृति चिन्ह भेंट करके किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. ऋचा सिंह एवं श्री दुर्गेन्द्र सिंह का योगदान महत्त्वपूर्ण रहा। इस कार्यक्रम की सफलता पर एल एन सी टी ग्रुप के सेक्रेटरी डॉ अनुपम चौकसे धर्मेन्द्र गुप्ता वी.सी. एवं रजिस्ट्रार सहित सभी ने बधाईयां दी।

जै न भोजनालय द्वारा नगर निगम एवं शासन के विरूद्ध दायर याचिका को खारिज

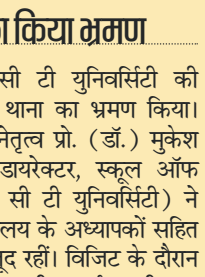

भोपाल। प्ल ेटफार्म नं. 06 के सामने पुनः व्यवसाय करने हेत ु नगरनिगम क े विरूद्ध दायर याचिका खारिज भोपाल, पंचम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड मेघाअग्रवाल ने अजय जैन प्रोपराइ टर ज ैन भोजनालय द्वारा नगरनिगम एव ं म0प्र0शासन विरूद्ध दायर याचिका को खारिज करदिया। प्रकरण का स ंक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि अजय ज ैनकी प्लेटफार्म नं. 06 क े सामने जैन भोजनालय के नाम स े दुकानहै एव ं पूर्व मे ं वह दुकान ज ैन रोलि ंग शटर्स क े नाम से थी बाद म ें उस े भोजनालय कर दिया गया था एव ं दिनांक 19.11.2020 कोअमन कालोनी स्थित ईरानी डेरा में पुलिस की झडप हुई थी इसकारण नगर पालिक निगम द्वारा दिनांक 28.11.2020 कोकोविड-19 में इ रानी डेर े क े बाहर की तरफजो उनकी दुकान थीउस े ध्वस्त कर दिया गया एव ं माननीय न्यायालय से निव ेदनकिया गया कि उन्हें पुनः व्यवसाय करने की अनुमति प्रदान कीजाव े। नगर निगम की ओर स े विधि सलाहाकार स ंजय गुप्ताद्वारा निव ेदन किया गया कि पूर्व में हुस ैनी जल कल्याण समितिद्वारा एक प्रकरण नगर निगम क े विरूद्ध लगाया गया था जोदिनांक 12.07.2017 को निरस्त कर दिया गया था एवंनगर निगम द्वारा केाइ कार्यवाही नहीं की गइ है बल्कि अब वहांपर मेट्रो क े प्रा ेज े क्ट क े तहत मेट्रो लाइ न बन रही है। माननीय न्यायालय द्वारा यह देखत े हुय े कि अजय ज ैनद्वारा जो छायात्रि प्रस्त ुत किये गय े हैं उसमें मात्र लोहे क े शेडदिख रहे हैं एव ं उसमें किसी प्रकार स े कोइ व्यवसाय होता हुआनहीं दिख रहा है इस कारण पुनः व्यवसाय करने का आदेश देन ेस ंबंधी याचिका खारिज की जाती है।

सेवा पर्व पखवाड़ा के अंतर्गत प्रदेश में होगी सांस्कृतिक गतिविधियांः राज्य मंत्री लोधी

भोपाल, नप्र। संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने कहा कि प्रदेश में ÷सेवा पर्व पखवाड़ा का आयोजन 17 सितंबर से 02 अक्टूबर 2025 तक किया जाएगा। इसके अंतर्गत पूरे प्रदेश में सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। राज्य मंत्री श्री लोधी ने मंत्रालय में पखवाड़ा के तहत की जाने वाली गतिविधियों के आयोजन को समीक्षा की। सेवा पर्व पखवाड़ा में मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा प्रदेश में विकसित भारत संकल्पना पर केंद्रित गतिविधियां की जाएंगी। राज्य मंत्री श्री लोधी ने बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया कि संभाग व जिला मुख्यालयों पर विभाग द्वारा होने वाले आयोजन की विस्तृत कार्य योजना तैयार करें। गतिविधियों में अधिक से अधिक संख्या में लोगों को भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें। गतिविधियों में प्रमुख रूप से सांस्कृतिक कार्यक्रम, संगीत कार्यशाला/प्रस्तुति, पेंटिंग कार्यशाला/प्रतियोगिता, चित्र प्रदर्शनी एवं रचनापाठ किया जाना शामिल है। बैठक में संस्कृति विभाग के उपसचिव श्रीजगदीश गोमे, संचालक संस्कृति एन. पी. नामदेव, आयुक्त पुरातत्व अभिलेखागार और संग्रहालय उर्मिला शुक्ला, उपनिदेशक स्वराज संस्थान संचालनालय संतोष कुमार वर्मा, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर की कुलगुरु, सांची बौद्ध विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विभिन्न अकादमियों के निदेशक उपस्थित रहे।

राष्ट्र को आगे बढ़ाने के लिए बच्चों का शिक्षित होना जरूरी : मंत्री कृष्णा गौर

भोपाल। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने बुधवार को गोविंदपुरा विधानसभा के बागसेवनिया में 84 लाख की लागत से निर्मित शासकीय प्राथमिक शाला का लोकार्पण किया। इस अवसर पर राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य और राष्ट्र की प्रगति के लिए शिक्षा सबसे बड़ा माध्यम है। उन्होंने बताया कि यह स्कूल जनसेवकों की अथक मेहनत का परिणाम है। कभी जहां कचरे का ढेर हुआ करता था, वहीं अब 10 कमरों का एक सुंदर और आधुनिक विद्यालय खड़ा है। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि बागसेवनिया स्थित वार्ड-54 की इस प्राथमिक शाला को जल्द ही उन्नयन कर माध्यमिक विद्यालय तक विस्तारित किया जाएगा। फिलहाल यह शाला पाँचवीं कक्षा तक संचालित है, जिसे भविष्य में आठवीं कक्षा तक बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि गोविंदपुरा विधानसभा में विकास की गंगा बह रही है और शिक्षा के क्षेत्र में यह स्कूल एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगा।

यातायात पुलिस ने की नियमों का पालन न करने वाले वाहन चालकों पर कार्रवाई

भोपाल। सुप्रीमकोर्ट कॅमेटी ऑन रोड सेफ्टी के दिशा निर्देश एवं पीटीआरआई पुलिस मुख्यालय द्वारा बढती सड़क दुघर्टना व उनमें होने वाली मृत्युदर को कम करने के उद्देष्य से एवं लोगों को यातायात नियमों का पालन कराये जाने हेतु दिनांक 9.09.2025 से 22.09.2025 तक प्रदेश स्तरीय विशेष अभियान चलाये जाने के संबंध में निर्देशित किया गया हैं। जिसके पालन में दिनांक-09.09.2025 को यातायात नगरीय पुलिस भोपाल द्वारा तेज गति से वाहन चलाने वाले चालकों के विरूद्ध-03, बिना हेलमेट-174, बिना सीट बेल्ट-44, नाबालिक द्वारा वाहन चलाने-02, वाहन चलाते समय मोबाईल फोन का उपयोग-02, शराब पीकर वाहन चलाने पर-02, रॉग साईड वाहन चलाने पर-15, ओव्हर लोडिंग वाहन चलाने पर-03, बिना लायसेंस वाहन चलाना-04, बिना फिटनेस-03, चालानी कार्यवाही की जाकर 1,25,400 रूपये समन शुल्क जमा कराया गया। साथ ही विद्यार्थी एवं आम नागरिकों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने तथा सड़क सुरक्षा संबंधी शासन की योजनाएं राहवीर योजना, हिट एण्ड रन पीडित प्रतिकर योजना, केषलेष योजना के बारे में अवगत कराने के उद्देष्य से आज दिनांक-09.09.2025 को यातायात नगरीय पुलिस द्वारा सेंट फांसीस को एड स्कूल एवं मिडिल स्कूल खजूरी खुर्द में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 325 छात्र/छात्रायें एवं आम नागरिक उपस्थित रहें। नगरीय पुलिस भोपाल का आम जनता से अनुरोध है कि अपने व अन्य नागरिको के जीवन, शरीर व वाहनों की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए यातायात नियमों का पालन करना सुनिश्चित करें तथा यातायात व्यवस्था में सहयोग प्रदान करें।

मध्यप्रदेश स्टेट फार्मेसी परिषद की बैठक संपन्न

फार्मेसी पंजीयन प्रक्रिया होगी पूरी तरह ऑनलाइनः शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि अब ऑनलाइन प्रणाली से घर बैठे पंजीयन प्रमाणपत्र मेल और डिजिलॉकर के माध्यम से उपलब्ध होंगे। इससे पंजीयन प्रक्रिया सुव्यवस्थित हुई है और लंबित मामलों का निपटारा तेजी से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लगभग 50 प्रतिशत विद्यार्थियों के आवेदन अपूर्ण हैं, जिन्हें समय पर पूरा करवाना आवश्यक है। प्राइवेट विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों की जिम्मेदारी है कि वे सभी विद्यार्थियों की सही जानकारी उपलब्ध कराएँ। यदि गलती छात्रों की है तो उन्हें सुधार हेतु सूचित किया जाए और यदि संस्थान की लापरवाही है तो मान्यता एवं एफिलिएशन पर कार्रवाई करें। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल होटल पलाश भोपाल में मध्यप्रदेश स्टेट फार्मेसी परिषद की बैठक में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि फार्मासिस्ट, पैरामेडिकल और नर्सिंग स्टाफ राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ हैं। विकसित और स्वस्थ भारत के लिए गुणवत्तापूर्ण मानव संसाधन उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। बैठक में जून 2025 से अगस्त 2025 तक की कार्यप्रगति की समीक्षा की गई। इसमें 3500 से अधिक नए पंजीयन सफलतापूर्वक पूर्ण हुए, 5800 आवेदन प्रक्रिया में लंबित रहे तथा 1650 आवेदन निजी विश्वविद्यालयों की सूची उपलब्ध न होने के कारण शेष रहे। बताया गया कि संपूर्ण कार्यप्रणाली को अब डिजिटल मोड पर स्थानांतरित कर दिया गया है। इसमें समग्र आईडी, डिजिलॉकर, विवाह एवं निवास प्रमाणपत्र तथा एफडीए का एकीकरण किया गया है। नई प्रणाली से स्लॉट बुकिंग एवं परिषद कार्यालय में उपस्थित होकर सत्यापन कराने की आवश्यकता समाप्त होगी और सिस्टम आधारित ऑटो वेरिफिकेशन से प्रमाणपत्र सीधे डिजिलॉकर पर उपलब्ध होंगे। यह पहल परिषद को डिजिटल गवर्नेंस में देश की अग्रणी परिषद बनाएगी। बैठक में परिषद अध्यक्ष श्री संजय कुमार जैन, सदस्य श्री राजू चतुर्वेदी, श्री गौतमचंद धींग, श्री रामरतन गर्ग, श्री सत्येन्द्र सिंह चौहान, श्री देवेंद्र कुमार बजाजत्य, श्री अशोक जैन एवं डॉ. पवन दुबे सहित श्री दिनेश मौर्य (ड्रग कंट्रोलर, म.प्र.), श्री आत्री (मुख्य विश्लेषक, म.प्र. शासन) तथा चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रतिनिधि शामिल हुए।

रहवासियों ने अंतरराष्ट्रीय ऐशबाग स्टेडियम रोड पर हुए गड्ढों को लेकर जताया आक्रोश

अनूठा प्रदर्शन,10 सालों से सड़क पर गड्ढों का विरोध में केक काटकर मनाया जन्मदिन

भोपाल। भोपाल के मुख्य मार्ग अंतराष्ट्रीय ऐशबाग स्टेडियम रोड पर हो रहे बड़े बड़े गढ्ढों से वहा निवासरत लगभग 1.5 लाख की आबादी लगभग 10 सालों से परेशानी से जूझ रहे हैं। ऐसा कोई दिन नहीं जब वहा जल भराव और जाम की स्थिति नहीं बनती हो। बारिश में तो रोड की हालत बद से बदतर हो जाती है जिससे आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। इनही सब परेशानियों से परेशान होकर ऐशबाग के सैंकड़ों रहवासियों ने आज अनोखे तरीके से सड़कों का केक काटकर ढोल धमाकों व हर्षोल्लास के साथ प्रतिभोज आयोजित कर उनका जन्मदिन मनाया। ऐशबाग रहवासियों के साथ कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला ने गड्ढों के दस वर्ष पूर्ण हो जाने पर उनपर केक काटकर और ढोल नगाड़े बजाकर हर्षोल्लास के साथ विरोध दर्ज किया। शुक्ला ने कहा की भोपाल की सड़कों की हालत बहुत दयनीय हो रही है, ऐसा कोई गली-मोहल्ला या रोड नहीं जहाँ गड्ढे, जल जमाव और ट्रैफिक जाम की स्थिति ना हो। आम जनता सड़को पर गिरते पड़ते हुए सरकार को कोसते हुए रेंग रही है। करोड़ो रुपये खर्च करने बाद भी शहर की हालत बद से बदतर होती जा रही है, जनता का पैसा भारी भ्रष्टाचार के चलते भाजपा नेता और अधिकारियों की जेब में जा रहा है। इस अवसर पर अनस उर रहमान, दीपक दीवान, मो फ़हीम, तारिक अली, अमित खत्री, विजेंद्र शुक्ला, मुकेश पंथी, फ़हीम बख्श, अमजद लाला, दर्शन कोरी, सैफ अनस, शमशेर ख़ान, अनीस शर्मा और मोहन रूडेले आदि मौजूद थे।

गीतों भरी सुरमई शाम का आयोजन शनिवार को

दिशा शिक्षण एवं समाज कल्याण समिति के कार्यक्रम में बिखरेंगी स्वर लहरियां

भोपाल। दिशा शिक्षण एवं समाज कल्याण समिति द्वारा शनिवार 13 सितंबर की शाम 5 बजे श्यामला हिल स्थित स्टेट म्यूजियम में फिल्मी गीतों की सुरमई शाम का आयोजन किया जाएगा। समिति की फाउंडर एवं डॉयरेक्टर श्रीमति सरिता श्रीवास्तव एवं आयोजिका श्रीमती मीना श्रीवास्तव के अनुसार मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के बीमा लोकपाल श्री अजय कुमार कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे। अन्य विशेष अतिथियों में विभिन्न सामाजिक संगठन एवं म्यूजिक ग्रुप से जुड़े, जनसंपर्क विभाग के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी श्री प्रलय श्रीवास्तव तथा सर्वश्री विपिन शर्मा, संजय खरे, पीएम दास, डॉ. सुरेश गर्ग, संजय व्यास, नितेश भारद्वाज एवं श्री रीशिन वर्मा आदि उपस्थित रहेंगे। इसके अतिरिक्त फीमेल सिंगर में सुश्री बेबी ब्लेसी, फाल्गुनी पुरोहित, तान्या शर्मा, स्निग्धा सरकार, डॉ. शेफाली भटनागर, ऋचा निगम, साक्षी उपाध्याय, सीमा सरन एवं मीता श्रीवास्तव, मेल सिंगर में युवा कलाकार सृजन श्रीवास्तव सहित सर्वश्री सी.पी.श्रीवास्तव, दत्तात्रेय जुगादे, नितिन मराठे, देवेंद्र उपाध्याय, जितेंद्र श्रीवास्तव, अनुराग श्रीवास्तव, इंजीनियर आशु, राम हरदासानी एवं शैलेश श्रीवास्तव अपने चिरपरिचित अंदाज में सुमधुर लोकप्रिय फिल्मी गीतों की प्रस्तुति देंगे। साउंड सिस्टम का संयोजन के.के.इवेंट एवं एंकर अपूर्व सरकार द्वारा किया जाएगा। म्यूजिशियन टीम में सर्वश्री मुकेश कटारे, विक्रम सिरमोरिया, हेमंत खड़ग, वेद प्रकाश एवं संदीप वर्मा शामिल रहेंगे। आयोजक श्रीमती सरिता श्रीवास्तव एवं श्रीमती मीना श्रीवास्तव ने गायन में रुचि रखने वाले श्रोताओं को आमंत्रित किया है।

अपना घर परिसर में आयोजित किया नेत्र शिविर

भोपाल। इंटास फाउंडेशन, साइटसेवर्स एवं अमृता दृष्टि नेत्र स्वास्थ्य कार्यक्रम के सहयोग से अपना घर परिसर में एक दिवसीय नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का नेतृत्व डॉ. राही नेमा एवं उनकी टीम ने किया। इस दौरान कैंसर रोगियों एवं उनके परिजनों की आँखों की जाँच की गई तथा उन्हें आवश्यक परामर्श और उपचार सेवाएँ प्रदान की गईं। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कैंसर प्रभावित परिवारों को समय पर नेत्र परीक्षण उपलब्ध कराना एवं नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। सभी लाभार्थियों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिला और उनकी नेत्र स्वास्थ्य स्थिति में सुधार हेतु आवश्यक कदम उठाए गए। इंटास फाउंडेशन का यह प्रयास न केवल कैंसर रोगियों की देखभाल करता है, बल्कि उनके परिवारों के स्वास्थ्य को भी सुदृढ़ बनाते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य संवर्धन में महत्वपूर्ण योगदान देता है

14-15 सितंबर को रवीन्द्र भवन में जुड़ेंगे देश-विदेश के विशेषज्ञ

भोपाल। भारत, एक विविधतापूर्ण देश है, जहां हर राज्य और क्षेत्र की अपनी विशेष भाषा और बोली है। यही भाषाएं न केवल संवाद का माध्यम हैं, बल्कि समाज की सांस्कृतिक पहचान और एकता की नींव भी हैं। इस संदर्भ में 14-15 सितंबर 2025 को रवींद्र भवन भोपाल में भारतीय मातृभाषा अनुष्ठान का आयोजन किया जा रहा है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के संस्कृति सलाहकार श्रीराम तिवारी ने कहा कि आयोजन न केवल भारतीय भाषाओं के महत्व को उजागर करेगा, बल्कि राष्ट निर्माण में इन भाषाओं की भूमिका को भी स्पष्ट करेगा। इस दो दिवसीय अनुष्ठान में हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं का संबंध- खड़ी बोली हिंदी के साथ अवधी, ब्रज, भोजपुरी, मैथिली, बुंदेली, मालवी, छत्तीसगढ़ी, बघेली और अन्य भाषाओं का परस्पर संबंध आदि कई विषयों पर विचार-विमर्श होगा। इसके साथ ही भाषाओं का तकनीकी विकास और उनकी डिजिटल उपस्थिति। साहित्यिक काव्य गोष्ठियों और प्रकाशन लोकार्पण के माध्यम से साहित्यिक योगदान को समझना। किस प्रकार भारतीय भाषाएं नाट्य और सिनेमा के विकास में योगदान दे रही हैं। जनजातीय भाषाओं का संरक्षण और प्रसार पर भी चर्चा होगी। इस आयोजन के मुख्य वक्ता देश-विदेश से आए भाषाओं के विशेषज्ञ, विद्वान, और लेखक होंगे, जो भारतीय भाषाओं के महत्व और उनके संरक्षण पर गहरी चर्चा करेंगे। आयोजन में गोष्ठियां, प्रकाशन लोकार्पण, प्रदर्शनियों के शुभारंभ के साथ स्वदेशी जागरण अंतर्गत देशहित में [illegible] का अभियान '[illegible] इंडियन [illegible]4 इंडियन' 'हमारी लक्ष्मी, हमारे पास' का शुभारंभ होगा। इसके साथ ही विक्रमोत्सव 2025 को लांगस्टैंडिंग आईपी ऑफ द ईयर का अवार्ड ईमैक्स ग्लोबल टीम द्वारा मुख्यमंत्री को दिया जाएगा। संस्कृति संचालनालय के संचालक एनपी नामदेव ने बताया कि मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा विज्ञान एवं अन्य क्षेत्रों में हिंदी भाषा के विकास के लिए पांच राष्ट्रीय हिंदी भाषा सम्मानों की स्थापना की गई है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 15 सितंबर को शाम 5 बजे देश-विदेश के विद्वानों को हिन्दी भाषा सम्मान से सम्मानित करेंगे। वीर भारत न्यास के न्यासी सचिव श्रीराम तिवारी के अनुसार, भारतीय भाषाएं किसी भी राष्ट की आत्मा होती हैं। भाषाएं केवल संवाद का माध्यम नहीं हैं, बल्कि ये हमारी संस्कृति, परंपरा और ज्ञान की धरोहर भी हैं। इन भाषाओं का संरक्षण और संवर्धन हमें अपनी सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखने में मदद करता है। उन्होंने यह भी कहा कि आज के समय में यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि हम भारतीय भाषाओं के अध्ययन, शोध और व्यवहार को प्रोत्साहित करें ताकि आने वाली पीढ़ियां अपनी सांस्कृतिक अस्मिता को गर्व से आगे बढ़ा सकें। इस अवसर पर माधवराव सप्रे स्मृति समाचारपत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान के संस्थापक विजयदत्त श्रीधर ने कहा- आज भारतीय भाषाओं के संरक्षण का काम राष्ट निर्माण की नई चुनौती है। नई पीढ़ी को भाषा और बोली से जोड़े बिना आत्मनिर्भर के बारे में सोचना अधूरा है। भाषा ऐसी शक्ति है जो समाज को जोड़ती है। संस्कार देती है और राष्ट को दिशा दिशा देती है। भारत में सौहार्द, सम्मान और सामंजस्य का सूत्र मातृभाषा है। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलगुरू विजय मनोहर तिवारी ने कहा- पत्रकारिता में भाषा का योगदान महत्त्वपूर्ण है।

'लाल परी' बनकर बर्मिंघम इवेंट में पहुंचीं करीना कपूर

करीना कपूर खान बॉलीवुड का वो नाम है जो अपने आप में फैशन आइकन है। 44 साल की उम्र में भी बेबो का जादू फैंस के दिलों में कायम है। उनकी हर अदा पर लोग फिदा होते हैं और हर आउटफिट व स्टाइल नया ट्रेंड सेट करता है। हाल ही में बर्मिंघम में हुए एक इवेंट में करीना कपूर फिर से दिखा दिया कि स्टाइल और कॉन्फिडेंस में उनका कोई मुकाबला नहीं।इस खास मौके पर करीना स्टेज पर सिर्फ बैठी नहीं रहीं, बल्कि अपनी बातों और हंसी-मजाक से सबका दिन बना दिया। उनका ये वीडियो अब सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। फैंस का कहना है कि बेबो कभी भी बोर नहीं कर सकती। वह आज भी वह फैंस के दिलों पर राज करती हैं।करीना ने इस मौके के लिए चुना फेमस फैशन डिजाइनर अनामिका खन्ना का डिजाइन किया हुआ रेड आउटफिट। पूरे लुक की स्टाइलिंग लक्ष्मी लहर ने की। रेड कलर का ये आउटफिट करीना पर ऐसा लग रहा था जैसे कोई लाल परी चलती हुई आई हो। इस फेस्टिव सीजन में यह कलर, आउटफिट और स्टाइल तीनों ही काफी ट्रेंड करने वाले हो सकते हैं। इस इवेंट में करीना कपूर ने वन शोल्डर टॉप पहना था। इसमें एक तरफ शॉर्ट और दूसरी तरफ लॉन्ग स्लीव डिजाइन था। एक्ट्रेस का यह लुक एकदम मॉर्डन टच दे रहा था। टॉप पर की गई फ्लॉवर एम्ब्रॉयडरी और लाल मोती की डीटेलिंग इसे रॉयल लुक दे रही थी। स्मूद फैब्रिक के कारण आउटफिट स्लिम लुक भी दे रहा था। टॉप के साथ करीना ने मैचिंग वाइड लेग पैंट्स पहनी। इस पर भी फ्लावर एम्ब्रॉयडरी की गई थी। पैंट्स का हाई वेस्ट डिजाइन न सिर्फ करीना को ट्रेंडी लुक दे रहा था।

इतिहास और आस्था की दिलचस्प कहानी

क्या आपने कभी सोचा है कि अगर भगवान राम का धनुष 'मिराय' किसी आधुनिक सुपरहीरो के हाथ लग जाए तो क्या होगा? अगर नहीं, तो तैयार हो जाइए, क्योंकि निर्देशक कार्तिक गट्टमनेनी की 'मिराय' हमारे लिए यही करिश्मा लेकर आई है. ये सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक ऐसा अनुभव है जो आपको रामायण के गौरवशाली अतीत से लेकर आज की दुनिया के रोमांचक एक्शन तक ले जाता है. कहानी, ड्रूस्नङ्ग, और अदाकारी का ऐसा संगम शायद ही आपने पहले देखा होगा.'हनुमैन' के बाद तेजा सज्जा ने एक बार फिर दिखा दिया है कि वो सिर्फ एक एक्टर नहीं, बल्कि एक ऐसे स्टार हैं जो हर फिल्म में कमाल करते हैं. तो अब, ये जानने का समय आ गया है कि 'मिराय' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक नेक्स्ट लेवल एक्सपीरियंस क्यों है.फिल्म की कहानी सम्राट अशोक के समय से शुरू होती है, जब कलिंग युद्ध के बाद उन्होंने अपनी दैवीय शक्तियों को नौ किताबों में छिपा दिया. इन किताबों की रक्षा के लिए नौ अलग-अलग धर्मों और समाजों के रक्षकों को नियुक्त किया गया. इनमें से एक किताब में अमरता का रहस्य छिपा है, जिसे हासिल करने के लिए महावीर लामा नाम का एक दुष्ट विलेन पूरी मानवता को खत्म करना चाहता है. उसे रोकने की जिम्मेदारी एक ऐसे बच्चे के कंधों पर है, जो अपनी मां के गर्भ में ही भगवान राम के अस्त्र 'मिराय' को हासिल करने का ज्ञान प्राप्त कर लेता है. अब ये सब कैसे होता है? ये जानने के लिए आपको थिएटर में जाकर मिराय देखनी होगी.मिराय की कहानी आपको हिमालय के बर्फीले पहाड़ों से वाराणसी की गलियों, कोलकाता के पुलों, और फिर मोरक्को के रेगिस्तानों तक ले जाती है. फिल्म का ये सफर इतना बेहतरीन है कि आप अपनी सीट से हिल नहीं पाएंगे.फिल्म का सबसे बड़ा प्लस प्वाइंट है इसकी कहानी को कहने का तरीका. ये फिल्म माइथोलॉजी और साइंस फिक्शन का एक जबरदस्त मिक्स है. जिस तरह से रामायण के किरदार जैसे भगवान राम, जटायु और संपाती को कहानी से जोड़ा गया है, वो सच में अद्भुत है. ये आपको सिर्फ एंटरटेन नहीं करती, बल्कि बहुत कुछ आपके साथ छोड़कर जाती है. फिल्म का एक्शन सीक्वेंस और वीएफएक्स इतने शानदार हैं कि वो हॉलीवुड को टक्कर देते हैं. हर सीन, हर फ्रेम में जान है, और ये सब कार्तिक गट्टमनेनी के विजन और उनकी टीम की मेहनत का नतीजा है.मिराय को बड़े पर्दे पर देखने के बाद लगता है कि कार्तिक गट्टमनेनी ने इस फिल्म को सिर्फ निर्देशित नहीं किया है, बल्कि उसे जिया है. उनकी पकड़ कहानी पर इतनी मजबूत है कि वो कहीं भी आपको बोरियत महसूस नहीं होने देते. जिस तरह से उन्होंने एक कॉम्प्लेक्स कहानी को सरलता से परोसा है, वो काबिल-ए-तारीफ है.फिल्म का स्क्रीनप्ले टाइट है और हर सीन का एक मकसद है. संवाद, सिनेमैटोग्राफी और बैकग्राउंड स्कोर सब कुछ कहानी के साथ पूरी तरह से मेल खाते हैं. उदहारण के तौर पर बात की जाए तो यहां भगवान राम के गुरु अगस्त्य मुनि को जिस तरह से एक मॉडर्न और कूल अंदाज में दिखाया गया है।

काजोल-ट्विंकल का टॉक शो 'टू मच' 25 से होगा प्रीमियर

ट्विंकल खन्ना और काजोल बॉलीवुड में 90 के दशक की सबसे लोकप्रिय एक्ट्रेसस में से थीं, जिन्होंने अपनी फिल्मों से दर्शकों खूब दिल जीता है। काजोल ने 'बाज़ीगर' और 'कुछ कुछ होता है' जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से लोगों के दिलों में जगह बनाई, जबकि ट्विंकल खन्ना ने 'बरसात' और 'जान' जैसी फिल्मों से शुरुआत की और जल्दी ही टॉप एक्ट्रेसस में शुमार हो गई। अब काजोल- ट्विंकल खन्ना लंबे समय बाद एक साथ पर्दे पर वापसी कर रही हैं। दोनों जल्द ही ओटीटी के एक शो में नजर आएंगी। टॉक शो 'टू मच' की रिलीज डेट सामने आ गई है।अब इस शो के साथ हंसी और खुलासों का सफर शुरू होने वाला है।

दरअसल, हाल ही में प्राइम वीडियो ने अपने बहुप्रतीक्षित टॉक शो 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' की लॉन्च डेट का ऐलान कर दिया है। प्राइम वीडियो ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शो का आधिकारिक पोस्टर साझा किया, जिसमें काजोल और ट्विंकल खन्ना पीले रंग के कपड़ों में ट्विनिंग करती हुई नजर आ रही हैं और दोनों के हाथों में माइक्रोफोन हैं। पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा गया, 'चीजें थोड़ी टू मच होने वाली हैं, नया टॉक शो, 25 सितंबर से शुरू और गुरुवार को इसका नया एपिसोड रिलीज किया जाएगा। शो को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है। दोनों हसीनाएं एक साथ कई राज खोलती नजर आएंगी।

शो का पोस्टर रिलीज होते ही फैंस ने कमेंट सेक्शन में अपने उत्साह की झड़ी लगा दी।

शो में नजर आ सकते हैं ये मेहमान

शो के मेहमानों को लेकर खबरें है कि सलमान खान और आमिर खान साथ में शो पर शिरकत कर सकते हैं। इसके अलावा कई बड़े नाम जैसे शाह रुख खान और अक्षय कुमार भी इसकी गेस्ट लिस्ट में शामिल हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो सलमान और आमिर खान ने इसकी शूटिंग भी खत्म कर ली है। फैंस लंबे समय के बाद अपने फेवरेट स्टार को साथ में देखने के लिए एक्साइटेड हैं।

शो का पोस्टर रिलीज होते ही फैंस ने कमेंट सेक्शन में अपने उत्साह की झड़ी लगा दी। एक यूजर ने लिखा, 'हंसी का धमाल निश्चित रूप से होगा।' दूसरे ने टिप्पणी की, 'अनफिल्टर्ड क्वींस! यह अराजक और मजेदार होने वाला है।' वहीं किसी ने मजाकिया अंदाज में लिखा, 'यह वाकई 'टू मच' है!' एक और फैन ने लिखा, 'दिग्गज यहां हैं, अब मजा आएगा।

आखिरी बार काजोल को विशाल फुरिया की फिल्म 'मां'में देखा गया था। में नज़र आई थीं। फिल्म में काजोल ने अंबिका का किरदार निभाया था जो अपनी बेटी को बचाने के लिए राक्षसी शक्तियों से लड़ जाती है। यह फिल्म 27 जून, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

आज अपना 37वां बर्थडे मना रही हैं प्राची देसाई

2006 में कसम से सीरियल शुरू हुआ था, जिसकी प्रोड्यूसर एकता कपूर थीं. एकता ने इस सीरियल से ही प्राची देसाई को पहला मौका दिया था और उनकी पहचान घर-घर में बन गई थी.प्राची देसाई की उम्र उस समय 17 साल थी, लेकिन आज प्राची अपना 37वां बर्थडे मना रही हैं. 12 सितंबर 1988 को गुजरात के सूरत में जन्मीं प्राची ने पुणे के एक कॉलेज से अपना ग्रेजुएशन किया था.2005 में एकता कपूर के ऑफिस में कसम से की लीड एक्ट्रेस के लिए ऑडिशन हुआ था जिसमें प्राची देसाई को सेलेक्ट किया गया. इस रोल के लिए उन्हें खूब सराहना मिली और इंडियन टेली अवॉर्ड्स में बेस्ट एक्ट्रेस का खिताब भी मिला था.कसम से 2009 तक जीटीवी पर चला और उसी बीच 2007 में प्राची झलक दिखला जा में बतौर कंटेस्टेंट नजर आई थीं. 2008 में प्राची को फिल्मों में पहला मौका फरहान अख्तर की फिल्म रॉक ऑन से मिला था.2010 में प्राची ने एकता कपूर के प्रोडक्शन में बनी फिल्म वन्स अपॉन अ टाइम इन मुंबई में बतौर सेकेंड लीड एक्ट्रेस काम किया था. प्राची इमरान हाशमी के अपोजिट थीं और उसका एक गाना पी लूं जबरदस्त हिट था, वहीं फिल्म भी सुपरहिट थी.प्राची देसाई ने बोल बचन, अजहर, पुलिसगिरी, आई मी और मैं, लाइफ पार्टनर और तेरी मेरी कहानी जैसी फिल्में कीं. वहीं ओटीटी पर प्राची ने साइलेंस, साइलेंस 2 और फोरेंसिक में भी काम किया है.प्राची देसाई फिल्मों के अलावा वेब सीरीज में भी काम कर रही हैं और उनका अब तक का करियर सफल रहा है. सोशल मीडिया पर भी प्राची की फैन फॉलोविंग अछी खासी है.इंस्टाग्राम पर प्राची के 4.6 मिलियन फॉलोअर्स हैं और फैंस के लिए प्राची अपनी एक से बढ़कर एक तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं. कसम से सीरियल से लेकर अब तक प्राची का लुक भी काफी बदल गया है जैसा कि आप उनकी तस्वीरों में देख सकते हैं.

'इमरजेंसी' भारतीय लोकतंत्र के एक काले अध्याय की अनसुनी कहानी

कंगना रनौत की बहुप्रतीक्षित राजनीतिक ड्रामा फिल्म 'इमरजेंसी' अब वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर के लिए तैयार है। यह फिल्म हर घर तक सत्ता, राजनीति और देशभक्ति की गूंज पहुंचाएगी। 1975 की इमरजेंसी की पृष्ठभूमि में बनी यह कहानी उस समय की है जब लोकतंत्र पर विराम लगा दिया गया था और लोगों की आवाज़ दबा दी गई थी। यह फिल्म साहस, संघर्ष और सच्चाई की दास्तान पेश करती है। दमदार कलाकारों, शानदार अभिनय और आज भी गूंजते मुद्दों के साथ 'इमरजेंसी' केवल एक फिल्म नहीं बल्कि याद दिलाती है कि हम एक राष्ट्र के तौर पर कितनी दूर आ चुके हैं।आज रात 8 बजे देखिए 'इमरजेंसी' का वर्ल्ड टीवी प्रीमियर सिर्फ ज़ी सिनेमा पर।यह राजनीतिक ड्रामा दिखाता है कि किस तरह प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने लोकतंत्र को निलंबित कर सेंसरशिप लागू किया। यह फिल्म उस दौर की उथल-पुथल को सामने लाती है और जयप्रकाश नारायण व अटल बिहारी वाजपेयी जैसे नेताओं की बहादुरी को उजागर करती है, जिन्होंने डर और दमन के माहौल में आज़ादी और न्याय की लड़ाई लड़ी।

अनुपम खेर कहते हैं, इमरजेंसी सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि उस दौर की याद है जब लोकतंत्र की असली परीक्षा हुई थी। 1975 में जब इमरजेंसी लगी, मैं नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में छात्र था, और मैंने उस खामोशी और डर को अपनी आंखों से देखा है। इस फिल्म में जयप्रकाश नारायण जी का किरदार निभाना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा। वे निडर व्यक्ति थे जिन्होंने अन्याय के खिलाफ आवाज़ उठाई। मैं चाहता हूं कि हर पीढ़ी के लोग इस फिल्म को ज़रूर देखें, क्योंकि यह केवल इतिहास नहीं बल्कि एक सबक है जिसे हमें कभी नहीं भूलना चाहिए।श्रेयस तलपड़े कहते हैं, एक एक्टर के तौर पर हर रिलीज़ से पहले घबराहट होती है और इमरजेंसी में भी वैसा ही था। अटल बिहारी वाजपेयी जी का किरदार निभाना बड़ी ज़िम्मेदारी थी, सिर्फ इसलिए नहीं कि वे कौन थे, बल्कि इसलिए भी कि दर्शकों की प्रतिक्रिया सबसे अहम होती है। मुझे गर्व है कि मैं इसका हिस्सा हूं और उम्मीद है दर्शक इसे टीवी प्रीमियर पर ज़रूर महसूस करेंगे।कंगना रनौत द्वारा निर्देशित इस फिल्म में वे खुद इंदिरा गांधी की भूमिका निभा रही हैं। साथ ही अनुपम खेर ने जयप्रकाश नारायण, श्रेयस तलपड़े ने युवा अटल बिहारी वाजपेयी और मिलिंद सोमन ने सैम मानेकशॉ का किरदार निभाया है। महिमा चौधरी और स्वर्गीय सतीश कौशिक भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नज़र आते हैं।

रोनाल्डो से प्रेरणा लेते हैं हॉकी के स्टार अभिषेक

नई दिल्ली, एजेंसी। अभिषेक ने बताया कि भारतीय हॉकी के दिग्गज सरदार सिंह को देखकर ही उन्होंने हॉकी खेलना शुरू किया था। हालांकि जब तक अभिषेक टीम में आए, तब तक सरदार सिंह रिटायर हो चुके थे। भारतीय हॉकी टीम के स्टार फॉरवर्ड खिलाड़ी अभिषेक ने हाल ही में हुए एशिया कप में शानदार प्रदर्शन कर भारत को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। भारत ने फाइनल में दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराकर न केवल खिताब जीता, बल्कि 2026 हॉकी वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई भी कर लिया। इस टूर्नामेंट में अभिषेक ने छह गोल किए और कई मौकों पर गोल बनाने में सहायक रहे। उनके इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया।

मुझे रोनाल्डो से मिलती है प्रेरणा

अभिषेक ने बताया कि उनके शुरुआती कोच शमशेर दहिया, अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी के फैन हैं और चाहते थे कि अभिषेक वैसा ही खेले। लेकिन अभिषेक ने हमेशा क्रिस्टियानो रोनाल्डो को अपना आदर्श माना। उन्होंने कहा, मैं रोनाल्डो के मैच देखता हूं और उनसे स्कोरिंग, पोजिशनिंग, टाइमिंग और शूटिंग के बारे में सीखता हूं। फुटबॉल और हॉकी दोनों ही टीम गेम हैं, और रनिंग और स्टैमिना का अहम रोल होता है। रोनाल्डो मेरी प्रेरणा हैं।

सरदार को देखकर शुरू हुआ हॉकी का सफर

अभिषेक ने बताया कि भारतीय हॉकी के दिग्गज सरदार सिंह को देखकर ही उन्होंने हॉकी खेलना शुरू किया था। हालांकि जब तक अभिषेक टीम में आए, तब तक सरदार सिंह रिटायर हो चुके थे। अपने भाई आशीष और एक दोस्त को देखकर उन्होंने पहली बार हॉकी स्टिक थामी थी। बचपन में एक बार कलाई में चोट लगने के कारण माता-पिता ने हॉकी खेलने से मना कर दिया था, लेकिन उनके कोच ने उन्हें दोबारा मैदान पर लाने में मदद की। अभिषेक आज भी अपने पहले कोच, जो हिंदी शिक्षक भी थे, से सलाह लेते हैं। उन्होंने कहा, शमशेर सर को भले ही आधुनिक हॉकी की ज्यादा जानकारी न हो, लेकिन वह मेरे खेल को बहुत अच्छे से समझते हैं।

अगला लक्ष्यः विश्व कप और ओलंपिक में पदक

पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक और हांगझोउ एशियाई खेल 2022 में स्वर्ण पदक जीतने वाले इस खिलाड़ी का अगला सपना है विश्व कप जीतना। उन्होंने कहा, हमने 50 वर्षों से विश्व कप नहीं जीता। मुझे लगता है कि हमारी टीम में वो काबिलियत है। हमें सिर्फ निरंतरता और फिनिशिंग पर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय हॉकी को फिर से स्वर्णिम दौर में ले जाने के लिए टीम को जीतने की आदत डालनी होगी। उन्होंने कहा कि अब ओलंपिक में सिर्फ कांस्य नहीं, सोने का पदक चाहिए।

अब है विश्व कप जीतने का सपना

एशिया कप में भारत-पाकिस्तान की भिड़ंत पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा

मैच शुड गो ऑन

नई दिल्ली। देश की सर्वोच्च अदालत ने कहा है कि एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच मैच जारी रहना चाहिए। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने 14 सितंबर को दुबई में होने वाले भारत-पाकिस्तान एशिया कप टी-20 क्रिकेट मैच को रद्द करने की मांग वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया। जनहित याचिका (पीआईएल) में दुबई में होने वाले भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच को रद्द करने की मांग की गई थी।

याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि मैच रविवार को होने वाला है, इसलिए शुक्रवार को ही इस मामले की सुनवाई कर ली जाए। याचिका में दावा किया गया कि पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच खेलना राष्ट्रीय गरिमा और शहीदों के सम्मान के खिलाफ है। यह याचिका चार लॉ स्टूडेंट्स की ओर से दायर की गई, जिन्होंने नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस एक्ट 2025 को लागू करने की भी मांग की। यह याचिका अधिवक्ता स्नेहा रानी, ??अभिषेक वर्मा और मोहम्मद अनस चौधरी के माध्यम से दायर की गई थी।

अगला मुकाबला भारत और पाकिस्तान के बीच होगा

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस विजय बिश्नोई वाली बेंच ने गुरुवार को इस अनुरोध को खारिज करते हुए कहा कि यह एक मैच है और इसे जारी रहने देना चाहिए। एशिया कप में भारत ने यूएई के खिलाफ रिकॉर्ड जीत के साथ आगाज किया है। अगला मुकाबला भारत और पाकिस्तान के बीच होगा। यह मैच 14 सितंबर को रात 8 बजे से दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत ने एशिया कप 2025 के अपने पहले मुकाबले में यूएई को 9 विकेट से हराया। पहले गेंदबाजी करते हुए, भारतीय गेंदबाजों ने मुकाबले को एकतरफा बनाया और यूएई को 13.1 ओवर में सिर्फ 57 रन पर ढेर कर दिया। स्पिनरों और ऑलराउंडरों के लिए यह एक यादगार रात थी। कुलदीप यादव गेंदबाजी में स्टार रहे, उन्होंने सिर्फ 2.1 ओवर में 7 रन देकर 4 विकेट चटकाए। शिवम दुबे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन विकेट लिए, जबकि अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती ने एक-एक विकेट लिया। जसप्रीत बुमराह ने नई गेंद से शुरुआत में ही दबाव बनाए रखते हुए लय हासिल की। यूएई का बल्लेबाजी क्रम उनकी लगातार सटीकता के आगे लड़खड़ा गया, जिसमें सिर्फ अलीशान शराफू के 17 गेंदों में 22 रन ही रहे। 58 रनों के मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत के शीर्ष क्रम ने कोई समय बर्बाद नहीं किया। अभिषेक शर्मा ने 16 गेंदों पर दो चौकों और तीन छक्कों की मदद से 30 रनों की तेज पारी खेली, जबकि शुभमन गिल ने सिर्फ 9 गेंदों पर नाबाद 20 रन बनाए। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने दो बड़े शॉट लगाकर टीम को जीत दिलाई और 13.33 की तेज रन रेट से भारत को सिर्फ 4.3 ओवर में जीत दिला दी।

ऐतिहासिक फैसलाः

महिला वनडे विश्व कप में अंपायर और रेफरी सिर्फ महिलाएं, तीन भारतीयों को मौका

दुबई, एजेंसी। महिला वनडे विश्व कप का आयोजन भारत और श्रीलंका में 30 सितंबर से 2 नवंबर 2025 तक होगा। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) में विश्व कप को लेकर एक ऐतिहासिक फैसला लिया है। महिला वनडे विश्व कप क्रिकेट के इतिहास में यह पहली बार होगा जब टूर्नामेंट की सारी मैच ऑफिशियल्स और अंपायर महिलाएं होंगी। इससे पहले 2022 में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स और आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में मैच ऑफिशियल्स और अंपायर के रूप में महिलाएं दिख चुकी हैं। आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने कहा, यह महिला क्रिकेट के सफर में एक निर्णायक क्षण है। हमें उम्मीद है कि यह खेल के सभी पहलुओं में कई और नई कहानियों का मार्ग प्रशस्त करेगा। मैच अधिकारियों के रूप में महिला पैनल का शामिल होना न केवल एक बड़ी उपलब्धि है, बल्कि क्रिकेट में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए आईसीसी की अटूट प्रतिबद्धता का एक सशक्त प्रतिबिंब भी है। उन्होंने कहा, यह विकास प्रतीकात्मक मूल्य से कहीं आगे जाता है। यह दृश्यता, अवसर और ऐसे सार्थक रोल मॉडल के निर्माण के बारे में है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित कर सकें। वैश्विक मंच पर उत्कृष्टता को उजागर करके, हमारा उद्देश्य आकांक्षाओं को जगाना और इस बात को पुष्ट करना है कि क्रिकेट में नेतृत्व और प्रभाव लिंग-भेद से परे है। शाह ने कहा, महिलाओं के खेल के विकास में एक नए अध्याय को मान्यता देते हुए हमें गर्व हो रहा है।

शिवम दुबे ने शानदार प्रदर्शन का किया खुलासा, कहा-

गेंदबाजी कोच ने मुझे कुछ विशेष सलाह दी है

दुबई, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग में इंपैक्ट प्लेयर नियम के कारण शिवम दुबे की गेंदबाजी में भूमिका सीमित हो गई थी लेकिन वह भारतीय टीम के लिए अदद ऑलराउंडर बनना चाहते हैं जिसमें उन्हें मुख्य कोच गौतम गंभीर का समर्थन और गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल का मार्गदर्शन मिल रहा है। संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ एशिया कप के पहले मैच में दो ओवर में चार रन देकर तीन विकेट लेने वाले दुबे ने एक तेज गेंदबाज के रूप ने अपने खेल में सुधार के संबंध में मोर्कल की भूमिका के बारे में बात की। दुबे ने भारत की 9 विकेट से जीत के बाद कहा, 'जब से मैं इंग्लैंड श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में वापस आया हूं, तब से मोर्ने मेरे साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने मुझे कुछ विशेष सलाह दी है और मैंने उन पर अमल किया है। इस विस्फोटक बल्लेबाज ने कहा, 'उन्होंने मुझे ऑफ स्टंप से थोड़ा बाहर की लाइन पर गेंदबाजी करने को कहा। उन्होंने धीमी गेंद करने को लेकर भी मेरे साथ काम किया और मेरे रन-अप में भी थोड़ा बदलाव किया। मुख्य कोच और कप्तान ने मुझे बताया था कि मेरी गेंदबाजी की भूमिका अहम होगी। आईपीएल के बाद दुबे को अपने ऑलराउंड खेल और फिटनेस पर काम करने के लिए दो महीने का समय मिला। दुबे का आईपीएल में उनकी फ्रैंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स पावर-हिटर के रूप में ज्यादा इस्तेमाल करती है। दुबे ने कहा, 'पिछले दो महीनों में, मैंने अपनी फिटनेस पर काफी काम किया है। जहां तक मेरी बल्लेबाजी का सवाल है तो मुझे पता है कि बीच के ओवरों में मुझे (एक पावर-हिटर के तौर पर) अपनी भूमिका निभानी है। मैं जानता हूं कि पिछले कुछ वर्षों में गेंदबाजों ने मुझे शॉर्ट पिच गेंदों से निशाना बनाया है और मैंने अपने शॉट्स की रेंज बढ़ाने पर काम किया है। इस ऑलराउंडर ने कहा, 'जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ेगा, विकेट धीमा होता जाएगा और मैं जानता हूं कि तब मेरी धीमी गेंदें प्रभावी होंगी। मैं यह भी जानता हूं कि बीच के ओवरों में कैसे बल्लेबाजी करनी है। एक ऑलराउंडर के रूप में दुबे को कई बार हार्दिक पंड्या की चुनौती का सामना करना पड़ता है, लेकिन मुंबई के इस ऑलराउंडर ने जोर देकर कहा कि उनके बीच किसी तरह की प्रतिस्पर्धा नहीं है। उन्होंने कहा, 'हार्दिक मेरे भाई की तरह हैं जिनसे मैं बहुत कुछ सीखता हूं क्योंकि आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनका अनुभव मुझसे कहीं अधिक है। मेरा प्रयास हमेशा उनसे कुछ न कुछ सीख लेना होता है। दुबे ने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले आगामी मैच के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'चाहे मैं यूएई के खिलाफ खेल रहा हूं या पाकिस्तान के खिलाफ, मैं अपने कोच गौती भाई (गंभीर) की बातों पर अमल करने की कोशिश करता हूं। जब आप भारत के लिए खेलते हैं, तो आपको देश के लिए कुछ अच्छा करने का अवसर मिलता है।

कुलदीप यादव अब शायद अगला मैच न खेलें: मांजरेकर

नई दिल्ली, एजेंसी। कुलदीप यादव ने दुबई में भारत के लिए एशिया कप अभियान की शानदार शुरुआत की और श्र के खिलाफ केवल 4.3 ओवर में 57 रनों पर ढेर करके रिकॉर्ड तोड़ जीत में मदद की। शुरुआत से ही भारतीय टीम का दबदबा रहा, क्योंकि जसप्रीत बुमराह की बेहतरीन यॉर्कर ने शुरुआत की - लेकिन कुलदीप द्वारा फेंके गए 9वें ओवर में बाएं हाथ के इस लेग स्पिनर ने तीन विकेट लिए, श्र के बल्लेबाजों को धूल चटाई और 7 रन देकर 4 विकेट हासिल किए और प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीता। इंग्लैंड में भारत के सभी 5 टेस्ट मैचों में बेंच पर बैठने के बाद टीम में वापसी करने वाले इस खिलाड़ी ने तुरंत ही अपनी छाप छोड़ी, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिर से अपना हुनर ??दिखाने के लिए बेताब था। कुलदीप के शानदार प्रदर्शन ने उन्हें खूब वाहवाही बटोरी, लेकिन साथ ही एक चेतावनी भी दी, उन्हें अक्सर टीम में अंदर-बाहर होते देखा गया है, और संजय मांजरेकर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर यह जाहिर कर दिया कि कुलदीप की भागीदारी और समावेशन को जिस तरह से संभाला गया है, उससे वे पूरी तरह सहमत नहीं हैं।

मांजरेकर ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखते हुए कहा, कुलदीप ने एक ओवर में 3 विकेट लिए। अब शायद अगला मैच न खेलें। उन्होंने एक मजाकिया इमोजी भी लगाई ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनकी टिप्पणी को सही अर्थ में लिया जाए। कुलदीप टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी, दोनों में भारत की जीत का अहम हिस्सा रहे थे। कई लोगों का मानना है कि उन्हें टेस्ट सीजन में टीम का हिस्सा होना चाहिए था, खासकर जब गौतम गंभीर को नतीजे हासिल करने में मुश्किल हो रही थी। हालांकि इस लेग स्पिनर को एक ऐसे देश में एक विशुद्ध स्पिनर होने का दुर्भाग्य मिला है जहां कई स्पिन गेंदबाज हैं जो बल्ले से भी कमाल दिखा सकते हैं। टेस्ट टीम में जगह बनाने के लिए उन्हें रवींद्र जडेजा और हाल ही में वाशिंगटन सुंदर जैसे गेंदबाजों के खिलाफ काफी संघर्ष करना पड़ा है।

साात्विक-चिराग की जोड़ी का हांगकांग ओपन में शानदार प्रदर्शन जारी, क्वार्टर फाइनल में

नई दिल्ली, एजेंसी। हांगकांग ओपन 2025 में भारत की सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष जोड़ी राउंड ऑफ 16 में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल के लिए अपनी जगह को पक्का कर लिया है। सात्विक और चिराग की जोड़ी का सामना राउंड ऑफ 16 में थाईलैंड की जोड़ी पीराचाई सुकफुन और पक्कापोन तीरात्साकुल से था जिसमें करीब डेढ़ घंटे तक चले इस मैच में कुल तीन सेट का मुकाबला हुआ जिसे भारतीय मेंस जोड़ी ने 2-1 से अपने नाम करते हुए अगले दौर के लिए अपनी जगह को पक्का कर लिया। पहले सेट में मिली हार, अगले 2 सेट में दिखाया शानदार खेल वर्ल्ड नंबर 9 रैंकिंग जोड़ी सात्विक और चिराग को राउंड ऑफ 16 में थाईलैंड के खिलाफ मैच में पहले सेट में 18-21 से करीबी हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद दूसरे सेट में सात्विक और चिराग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 21-15 उसे अपने नाम करने के साथ मुकाबले को 1-1 की बराबरी पर ला दिया। तीसरे सेट में सात्विक और चिराग ने काफी आक्रामक खेल दिखाया जिसमें उनके स्मैश और तेज रिफ्लेक्सेस का जवाब थाईलैंड की जोड़ी पीराचाई सुकफुन और पक्कापोन तीरात्साकुल के पास नहीं था और उन्हें निर्णायक सेट में 21-11 के बड़े अंतर से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले सात्विक और चिराग की जोड़ी को राउंड ऑफ 32 में ताइवान की जोड़ी के खिलाफ भी कड़े मुकाबले का सामना करना पड़ा था जिसमें उन्होंने पहला सेट तो 21-13 के अंतर से जीता लेकिन दूसरे सेट में 18-21 से हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद तीसरे सेट को 21-10 के अंतर से जीतकर वह राउंड ऑफ 16 में पहुंचने में कामयाब हुए थे।

नूपुर-पूजा ने मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत के लिए पदक पक्का किया, निकहत बाहर

लिवरपूल, एजेंसी। महान मुक्केबाज हवा सिंह की पोती नूपुर ने चैंपियनशिप के अपने पहले मुकाबले में अपनी प्रतिद्वंद्वी को 4-1 से हराकर 80 किग्रा से अधिक वर्ग के अंतिम चार में प्रवेश किया। भारत की अनुभवी मुक्केबाज पूजा रानी ने पोलैंड की एमिलिया कोटेरस्का को हराकर महिलाओं के 80 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया और इस तरह से विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपना पहला पदक पक्का किया। इस तरह से विश्व चैंपियनशिप में भारत के तीन पदक पक्के हो गए हैं। पूजा से पहले दो बार की एशियाई चैंपियन जैस्मीन लेम्बोरिया (57 किग्रा) और नुपुर शेरॉन (80 किग्रा से अधिक) ने सेमीफाइनल में पहुंचकर पदक पक्के किए थे। पहले दौर में बाई हासिल करने वाली 34 वर्षीय पूजा ने अपने अनुभव के दम पर बुधवार देर रात क्वार्टर फाइनल में कोटेरस्का को 3-2 से हराया। 80 किग्रा भार वर्ग ओलंपिक में शामिल नहीं है और विश्व चैंपियनशिप में इस वजन वर्ग में 12 मुक्केबाज भाग ले रहे हैं। इस बीच भारत के पुरुष मुक्केबाजों के अभियान को एक और झटका लगा जब अभिनाश जामवाल 65 किग्रा क्वार्टर फाइनल में जॉर्जिया के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लाशा गुरुली से 1-4 के विभाजित निर्णय से हार गए। उनके बाहर होने के बाद पुरुष वर्ग में केवल जदुमणि सिंह (50 किग्रा)

ही दौड़ में बचे हैं। अंतिम आठ में उनका सामना मौजूदा विश्व चैंपियन कजाकिस्तान के संझार ताशकेनबे से होगा। इस तरह से भारतीय पुरुष मुक्केबाजों का ताशकंद में खेली गई पिछली विश्व चैंपियनशिप की तुलना में यहां प्रदर्शन निराशाजनक रहा। पिछली प्रतियोगिता में दीपक भोरिया (51 किग्रा), मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किग्रा) और निशांत देव (71 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते थे। महिलाओं की पिछली प्रतियोगिता नयी दिल्ली में आयोजित की गई थी जिसमें नीतू घंघास (48 किग्रा), निकहत (50 किग्रा), लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) और स्वीटी बूरा (81 किग्रा) ने स्वर्ण पदक जीते थे। पूजा को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। उन्होंने पहले राउंड में अच्छी शुरुआत की थी लेकिन पोलैंड की खिलाड़ी ने पलटवार करते हुए यह राउंड 3-2 से जीत लिया। एशियाई खेल 2014 की कांस्य पदक विजेता पूजा ने दूसरे राउंड में अच्छी वापसी करके बड़ी बढ़त हासिल की। तीसरे राउंड तक दोनों मुक्केबाज थक चुकी थीं, लेकिन पूजा ने धैर्य बनाए रखा और आखिर में अपने नाम पर पदक पक्का किया। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला स्थानीय मुक्केबाज एमिली एस्क्रिथ से होगा। इससे पहले हेवीवेट मुक्केबाज नूपुर श्योराण ने मौजूदा विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत के लिए पहला पदक सुनिश्चित किया जब बुधवार को उन्होंने उज्बेकिस्तान की ओल्टीनॉय सोतिमबोएवा को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई जबकि दो बार की चैंपियन निकहत जरीन को क्वार्टरफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। निकहत को तुर्की की काकिरोग्लू बुसे नाज ने 5-0 से शिकस्त दी।

संक्षिप्त खबरें

बैंक कर्मचारी बनकर 11.55 लाख रुपये की ठगी में एक आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। बैंक कर्मचारी बनकर 11.55 लाख रुपये की ठगी के मामले में साइबर क्राइम थाना सेंट्रल की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी अमन शाह यूपी के बागपत के काठा गांव का रहने वाला है। आरोपी से पूछताछ में पता चला कि उसने अपना बैंक खाता ठगों को बेचा था। इस खाते में ठगी के 50 हजार रुपये आए थे। आरोपी 10वीं पास है और बेरोजगार है। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि आरोपी को अदालत में पेश कर जेल भेजा गया है। इस मामले में चार आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। ठगी की यह वारदात सेक्टर-82 निवासी व्यक्ति से हुई थी। उन्होंने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि उनको यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की फरीदाबाद ब्रांच में अपना जीवन प्रमाण पत्र जमा करवाना था। इसके लिए उन्होंने बैंक की वेबसाइट पर जाकर ब्रांच का नंबर ढूंढा और कॉल की लेकिन कोई जवाब नहीं आया। इसके बाद शिकायतकर्ता के फोन पर एक नंबर से कॉल आया जिसने खुद को यूबीआई का कर्मचारी बताया। आरोपी ने शिकायतकर्ता के खाते की डिटेल व पिन नंबर लिया और खाते से 11.55 लाख रुपये ट्रांसफर कर लिए। साइबर क्राइम थाना सेंट्रल की टीम ने एफआईआर दर्ज कर जांच करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है।

साइबर ठगों ने तीन लोगों से ठग लिए 7.41 लाख रुपये

फरीदाबाद। साइबर ठगों ने तीन लोगों से 7.41 लाख रुपये ठग लिए। आरोपियों ने टेलीग्राम पर प्रीपेड टास्क में निवेश पर मुनाफे और शेयर बाजार में निवेश पर मुनाफे का झांसा देकर ठगी की। तीन शिकायतकताओं में एक 21 साल की युवती भी शामिल है। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि साइबर क्राइम थाना एनआईटी, सेंट्रल व बल्लभगढ़ पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की है। पहले मामले में साइबर क्राइम थाना एनआईटी पुलिस को शिकायत गोठड़ा मोहबताबाद निवासी रितिक ने दी है। इनका कहना है कि 21 अगस्त को आरोपियों ने संपर्क किया। फिर टेलीग्राम पर टास्क पूरा कर रुपये कमाने का ऑफर दिया। बाद में प्रीपेड टास्क में निवेश पर मुनाफे का झांसा देकर 1,08,900 रुपये ठग लिए गए। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज की है। दूसरे मामले में पुलिस को शिकायत धीरज नगर निवासी 21 साल की युवती ने दी है। युवती का कहना है कि 30 अप्रैल 2025 को साइबर ठगों ने शेयर बाजार में निवेश पर मुनाफे का झांसा दिया। आरोपियों ने शुरू में कुछ ट्रेनिंग दी। आरोप है कि 17 जून तक आरोपियों ने शेयर बाजार में निवेश के बहाने 2.31 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। बाद में न मुनाफा मिला और न ही रिफंड।

महिला समेत दो लोगों ने लगाया फंदा

गुरुग्राम। खेड़कीदौला थाना क्षेत्र में दो जगहों पर एक महिला और पुरुष ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मामलों की सूचना मिलते ही पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवाया। मृत महिला के मायकों वालों की शिकायत पर पुलिस ने पति के खिलाफ खेड़कीदौला थाने में एफआईआर दर्ज की है। बागेश्वर (उत्तराखंड) के हिमगिरी दाबू, जखेड़ा निवासी प्रकाश राम गुरुग्राम की एक निजी कंपनी में नौकरी करता है। वह खेड़कीदौला थाना क्षेत्र में रहता है। उसकी पत्नी रीता देवी (25) यहीं साथ रहती थी। मंगलवार रात को रीता देवी ने अज्ञात कारणों से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। बुधवार सुबह आत्महत्या के बारे में सूचना मिलते ही पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर घटनास्थल का निरीक्षण कराया। कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। रीता के भाई को पति प्रकाश राम ने चार साल पहले 7 हजार रुपये उधार दिए थे।

यमुना शांत... लेकिन टेंट में रात-दिन गुजारना मुश्किल, पीड़ित बोले- पानी उतरते ही कम होती गई मदद

दिल्ली : यमुना का जलस्तर सामान्य हो गया है, फिर भी लोग चिल्ला, यमुना खादर, विकास मार्ग, पुराना उस्मानपुर और गढ़ी मांडू समेत अन्य जगहों पर सड़क पर टेंट लगाकर रहे हैं।

लोगों ने बताया कि अब उनके पास पर्याप्त राशन भी नहीं बचा है जो कुछ भी था वह बाढ़ में बर्बाद हो गया है। इन लोगों ने आरोप लगाया कि बाढ़ के एक-दो दिन तक सरकार की ओर से मदद की गई, लेकिन पानी कम होने के बाद प्रशासन की ओर से न के बराबर मदद की जा रही है।

लोगों ने बताया कि पहले गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) की ओर से यहां पर हर घंटे कुछ न कुछ मदद मिल जाती थी, लेकिन अब वह भी कम हो चुकी है। बाढ़ प्रभावितों ने बताया कि यमुना का पानी कम होते ही वह अपने घरों तक गए लेकिन

खाने-पीने का सारा सामान खराब हो चुका था। जो बची हुई चीजें थीं वह साथ लेकर आ गए। कोई संस्था खाने-पीने की चीजें लेकर मदद के लिए पहुंचती है, तो लंबी कतार की वजह से हर जरूरतमंद तक सामान नहीं पहुंच पाता है।

दानदाताओं में फोटो लेने की होड़

लोगों ने बताया कि यहां पर कुछ लोग ऐसे भी आते हैं, जो दान करते वक्त हर एक व्यक्ति की फोटो क्लिक करते रहते हैं। वह थोड़ा सा भी कुछ देते हैं, तो वह पहले उसकी फोटो लेते हैं और वीडियो बनाते हैं। फिर उसके बाद वह लोगों की मदद करते हैं। ऐसे में लोग मदद लेते वक्त खुद को शर्मिंदा महसूस करते हैं।

टेंट में रात-दिन गुजारना बहुत मुश्किल हो रहा है। किसी तरह हम लोग यहां पर रहे हैं। शुरू-शुरू में यहां कई लोग मदद के लिए आते थे, लेकिन पानी कम होने के बाद अब यहां पर लोगों ने आना कम कर दिया है।

-ओम प्रकाश, बाढ़ पीड़ित

यमुना का पानी कम होते ही अपने घर गया। जाकर देखा, तो सारा सामान खराब हो चुका था। जो बचा हुआ सामान था उसे हम लोग यहां टेंट में ले आए। जब सब कुछ पहले जैसा हो जाएगा, तो फिर से घर में लौट जाएंगे।

- विजय बहादुर, बाढ़ पीड़ित

रेलवे की सुस्ती वजह से अटका है मधुवन बापूधाम फ्लाईओवर का निर्माण

गाजियाबाद। मधुवन बापूधाम आरओबी का निर्माण कार्य पूरा करने के लिए तीन माह का समय बढ़ा दिया गया है। रेलवे के ढिलमुल रवैये की वजह से आरओबी के निर्माण कार्य को फाइनल होने में लगातार समयसीमा बढ़ती ही जा रही है। इस रवैये के कारण एक बार फिर पांच लाख की आबादी को इंतजार कर के ही रोजाना होने वाली समस्याओं से जूझना पड़ सकता है।

सेतु निगम की ओर से मधुबन बापूधाम रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) के निर्माण कार्य को सितंबर माह में पूरा कर इसे शुरू करने की समयसीमा निर्धारित की गई थी। बताया गया था कि सेतु निगम के बाद अब रेलवे ने भी निर्माण कार्य शुरू कर दिया है, जिससे इसका निर्माण जल्द किया जा सकेगा। 6500 मीटर लंबे और चार लेन के इस आरओबी के दोनों ओर सेतु निगम की ओर से एप्रोचेज करीब सात माह पूर्व ही निर्मित किए जा चुके हैं। रेलवे की ओर से पटरियों के ऊपर का पैनल रखने में पहले से ही देरी की जा रही थी।

इस वजह से आरओबी को तैयार करने में बार-बार समयसीमा बढ़ती जा रही है। कार्य की रफ्तार कछुआ गति की तरह है। हापुड़ रोड को बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मधुबन बापूधाम में आरओबी का निर्माण कार्य शुरू कराया गया था। इसकी जिम्मेदारी सेतु निगम और रेलवे

को सौंपी गई थी। सेतु निगम ने रेलवे ट्रैक के दोनों तरफ 75 फीसदी निर्माण कर चुका है, लेकिन रेलवे ने ट्रैक के ऊपर कई माह की देरी के बाद निर्माण शुरू किया। इस वजह से आए दिन इसकी समयसीमा भी बदलती ही जा रही है।

वर्तमान 14 किमी का काटना पड़ता है फेरा

गाजियाबाद होते हुए हापुड़ से मेरठ आने जाने वालों को करीब 14 किलोमीटर का लंबा सफर तय करना पड़ता है। इसका निर्माण होने लोगों के समय की भी बचत होगी। आरओबी 600 मीटर लंबा और 45 मीटर चौड़ा बनाया जा रहा है।

पार्क की जमीन पर अवैध मंदिर निर्माण, झूठा हलफनामा देने पर फटकार

नई दिल्ली। फरीदाबाद के सेक्टर-11 में सार्वजनिक पार्क की जमीन पर अवैध रूप से मंदिर निर्माण के खिलाफ दायर याचिका के जवाब में झूठा हलफनामा दाखिल करने पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने प्रतिवादियों को फटकार लगाई है। न्यायिक सदस्य न्यायमूर्ति अरुण कुमार त्यागी और विशेषज्ञ सदस्य डॉ. अफरोज अहमद की पीठ के समक्ष प्रतिवादियों के अधिवक्ता ने इसे कॉपी-पेस्ट की गलती मानते हुए माफी मांगी। एनजीटी ने एक माह के भीतर बिना शर्त माफी वाला हलफनामा दाखिल करने का मौका दिया, अन्यथा उन पर मुकदमा चलाने की चेतावनी दी। अगली सुनवाई 28 नवंबर को होगी।

मामले में कुछ प्रतिवादियों ने अपने जवाब में दावा किया कि मंदिर निर्माण करने वालों को केंद्रीय मंत्री, विधायक और नगर निगम का समर्थन प्राप्त था। एनजीटी ने जब इन नेताओं और अधिकारियों के नाम स्पष्ट करने को कहा, तो प्रतिवादियों ने स्वीकारा कि हलफनामे में कॉपी-पेस्ट की गलती हुई थी और यह दावा गलत था। इसके बाद, उन्होंने एक और हलफनामा दाखिल किया, जिसमें गलत तरीके से लिखा गया कि एनजीटी ने सुझाव दिया था कि मंदिर तोड़ने के बजाय जमीन खरीदी या किराए पर ली जाए। एनजीटी ने इसे खारिज करते हुए कहा कि ऐसा सुझाव कभी नहीं दिया गया और यह हलफनामा झूठा है। इससे पहले

एनजीटी ने नगर निगम को अवैध कब्जा हटाने और मंदिर की मूर्तियों को अन्यत्र स्थापित करने का आदेश दिया था, लेकिन पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने ढांचा तोड़ने पर रोक लगा दी है।

एनजीटी ने की थी एक संयुक्त समिति गठित

एनजीटी ने 10 फरवरी, 2025 को नोटिस जारी कर एक संयुक्त समिति गठित की, जिसने 17 मार्च 2025 को अपनी जांच रिपोर्ट सौंपी। रिपोर्ट के आधार पर 15 अप्रैल 2025 को एनजीटी ने फरीदाबाद नगर निगम को निर्देश दिया कि पार्क से अवैध कब्जा हटाया जाए और मंदिर की मूर्तियों को किसी अन्य मंदिर में स्थापित कर ढांचा गिरा दिया जाए। इस बीच श्री राधा किशन ट्रस्ट ने पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट में याचिका दायर की, जिसके बाद 14 मई 2025 को हाईकोर्ट ने 22 जुलाई 2025 तक ढांचा तोड़ने पर रोक लगा दी। बाद में हाईकोर्ट ने सुनवाई की तारीख बढ़ाकर 26 नवंबर निर्धारित की। एनजीटी ने 30 मई 2025 को राधा किशन ट्रस्ट को इस मामले में पक्षकार बनाया।

अवैध निर्माण से हरियाली और सामुदायिक उपयोग की जगह कम हुई

सुनील शर्मा ने एनजीटी में याचिका दायर कर शिकायत की थी कि फरीदाबाद के सेक्टर-11 में सार्वजनिक पार्क की जमीन पर अवैध रूप से मंदिर बनाया जा रहा है। सेक्टर-11 के निवासियों का कहना है कि सार्वजनिक पार्क की जमीन पर अवैध निर्माण से हरियाली और सामुदायिक उपयोग की जगह कम हो रही है। उनका कहना है कि पार्क बच्चों, बुजुर्गों और स्थानीय लोगों के लिए मनोरंजन और स्वास्थ्य का प्रमुख स्रोत है, और इसे अतिक्रमण से बचाना जरूरी है। निवासियों ने एनजीटी से इस मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की।

डॉक्टर की गंदी करतूत: छाती में गांठ देखने के बहाने छात्रा को गलत तरीके से छुआ, इतने में ही नहीं रुका वो

नई दिल्ली : उत्तरी दिल्ली के बुराड़ी स्थित सरकारी अस्पताल में बीटेक की 22 वर्षीय छात्रा ने अस्पताल के डॉक्टर पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। पुलिस ने शुरूआती जांच के बाद डॉ. इमरान के खिलाफ छेड़छाड़ की धाराओं में मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। पिछले कुछ दिनों से छात्रा अपनी छाती में गांठ महसूस कर रही थी। 9 सितंबर को वह अपनी मां के साथ दिखाने अस्पताल गई। ओपीडी में दिखाने के बाद उनको हड्डी विभाग में रेफर कर दिया गया। हड्डी विभाग में महिला डॉक्टर व दो पुरुष डॉक्टर मौजूद थे। महिला डॉक्टर छात्रा को पर्दे के पीछे ले जाकर देखा। छात्रा का परीक्षण करने के बाद डॉक्टर बाहर आ गईं। इस बीच वहां ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर इमरान पर्दे के अंदर पहुंच गया। छात्रा ने बिना इजाजत के पुरुष डॉक्टर के अंदर आने पर ऐतराज जताया। आरोपी डॉक्टर ने गांठ देखने के बहाने गलत तरीके से छात्रा को छूना शुरू कर दिया। छात्रा ने ऐतराज किया। बाद में आरोपी ने छात्रा से कहा कि वह बेसमेंट में जाकर एक एक्सरे करा ले। छात्रा बेसमेंट में पहुंची तो आरोपी वहां भी आ गया। आरोप है कि उसने छात्रा से इधर-उधर की उलटी बातें शुरू कर दी और उसे अपना मोबाइल नंबर देकर बातचीत करते रहने के लिए कहा। छात्रा लिफ्ट में पहुंची तो आरोपी वहां भी पहुंच गया। वह लिफ्ट को और नीचे ले जाने के लिए बटन दबाया तो छात्रा वहां से भागकर मां के पास पहुंची और सारी बात बताई। बाद में पुलिस को खबर दी गई। पुलिस ने छानबीन के बाद मामला दर्ज कर लिया है।

अपहृत युवक को अपराध शाखा ने दिल्ली से मुक्त कराया

फरीदाबाद। सेक्टर-31 थाना इलाके में उबर कैब रुकवाकर सवारी युवक के अपहरण मामले में एसआईटी को कामयाबी मिली है। बृहस्पतिवार देर शाम अपराध शाखा की एक टीम ने अपहृत ओपेंदर सिंह को दिल्ली से मुक्त करा लिया है। उसे लेकर टीम फरीदाबाद लौट रही है। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने युवक को मुक्त कराए जाने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि पीड़ित को फरीदाबाद वापस लाया जा रहा है। उनसे पूछताछ के बाद ही पूरे घटनाक्रम का पता चलेगा। पुलिस शुक्रवार को प्रेस कांफ्रेंस कर मामले का खुलासा करेगी। सेक्टर-31 थाने में मंगलवार नौ सितंबर को यह एफआईआर सेक्टर-88 निवासी ओला कैब चालक अंकित की शिकायत पर दर्ज हुई। शिकायत में ये वारदात आठ सितंबर की शाम की बताई गई। इसमें कहा गया कि कंपनी की एप के जरिये आई लोकेशन के आधार पर पहुंचकर चालक ने सवारी ओपेंद्र को कैब में दिल्ली चांदनी चौक ले जाने के लिए बैठाया। दिल्ली-मथुरा हाईवे पर बड़खल फ्लाईओवर से आगे काले रंग की कार सवार युवकों ने कैब रुकवा ली। तीन आरोपी उतरे और सवारी ओपेंदर को अपहरण कर अपनी कार में डालकर ले गए। मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई। केस की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया। गुरुवार को पुलिस ने पीड़ित को तो दिल्ली से मुक्त करा लिया लेकिन आरोपियों को पकड़ने के प्रयास टीम कर रही है।

हत्या के प्रयास मामले में आरोपी को नहीं मिली जमानत

फरीदाबाद। बाइक सवार व्यक्ति पर जानलेवा हमला करने के मामले में आरोपी मुकुल सैनी को जिला अदालत से जमानत नहीं मिली। मुकुल ने अपने साथी के साथ कार में सवार होकर चाकू व लोहे की रॉड से नेमराज पर हमला किया था। आरोपी के वकील की ओर से जिला अदालत में जमानत याचिका दायर की गई। अभियोजन पक्ष ने याचिका का विरोध जताया। दोनों पक्षों को सुनकर जिला अदालत ने याचिका रद कर दी है। सेक्टर-17 थाने में हत्या के प्रयास व हमला करने की धाराओं में यह एफआईआर 23 मई 2025 को दर्ज हुई थी। मामले में पुलिस को शिकायत नेमराज ने दी थी। इसमें कहा गया कि 22 मई की देर रात लगभग तीन बजे वो ऑफिस से बाइक पर घर जा रहा था। एसेंट कार में सवार होकर मुकुल सैनी व उसका साथी आए और चाकू व लोहे की रॉड से पीटने लगे। चाकू से कई वार किए गए। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। बयान पर एफआईआर दर्ज कर पुलिस ने मुकुल व सूरज को 26 मई 2025 को गिरफ्तार किया। मुकुल से एसेंट कार और सूरज से लोहे की रॉड बरामद हुई।

टेली स्मार्ट की लापरवाही से 1600 कनेक्शन पेंडिंग

गाजियाबाद। झटपट पोर्टल पर नए कनेक्शन के लिए किए गए आवेदनों को टेली स्मार्ट कंपनी गंभीरता से नहीं ले रही हैं। नए कनेक्शन के लिए स्मार्ट मीटर के इंस्टालेशन का कार्य मेरठ की टेली स्मार्ट कंपनी के पास है। लेकिन पिछले दो माह से कंपनी के पास लगभग 1600 आवेदन पेंडिंग पड़े हैं। अधिकारियों के कई बार कहने के बाद भी संबंधित फर्म धीमी गति से कार्य कर रहा है।

जोन एक के अधीक्षण अभियंता एके सिंह ने बताया कि जोन एक में 323 ऐसे कनेक्शन के आवेदन हैं, जो पिछले कई सप्ताह से लटके पड़े हैं। ऊर्जा निगम की ओर से सभी प्रक्रिया को पूरा करने के बाद भी फर्म लापरवाही कर रहा है। ऐसे

आवेदनकताओं के यहां अभी तक मीटर भी नहीं लग सका है। इसकी वजह से उपभोक्ताओं को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

> जोन एक के अधीक्षण अभियंता एके सिंह ने बताया कि जोन एक में 323 ऐसे कनेक्शन के आवेदन हैं, जो पिछले कई सप्ताह से लटके पड़े हैं। ऊर्जा निगम की ओर से सभी प्रक्रिया को पूरा करने के बाद भी फर्म लापरवाही कर रहा है।

उपभोक्ता बार-बार उपकेंद्र का चक्कर लगाने को मजबूर हैं। कई बार इस संदर्भ में उपभोक्ता शिकायत भी चुके हैं लेकिन कार्रवाई नहीं हो रही है। जोन दो के मुख्य अभियंता नरेश भारती ने बताया कि जोन दो में 418 आवेदन लंबित पड़े हैं और जोन तीन में 859 आवेदन लंबित पड़े हैं। ऐसे लगभग 1600 उपभोक्ता हैं जो झटपट पोर्टल पर आवेदन करने के बाद भी बार-बार ऊर्जा निगम के कार्यालयों के चक्कर लगा रहे हैं। कंपनी का पक्ष जानने के लिए जब उनके यहां संपर्क किया गया तो उन्होंने इस मामले को लेकर कुछ भी बोलने से इन्कार कर दिया। प्रताप विहार के रहने वाले नितिन शर्मा ने बताया कि उन्होंने नए कनेक्शन के लिए करीब 25 दिन पहले आवेदन किया था। उपकेंद्र के अधिकारियों ने पूरे मामले को समय से निस्तारित कर दिया, लेकिन जिस कंपनी को स्मार्ट मीटर लगाना था। उनके यहां से अभी तक कोई आया ही नहीं है।

30 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों की होगी स्वास्थ्य जांच

फरीदाबाद। स्वास्थ्य विभाग की ओर से 17 सितंबर से 25 दिसंबर तक 100 दिवसीय व्यापक राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग निवारण व नियंत्रण स्वस्थ जन अभियान चलाने का निर्णय लिया है। अभियान के तहत 30 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों की स्क्रीनिंग की जाएगी। अतिरिक्त उपायुक्त सतबीर मान ने बृहस्पतिवार को जिला स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों की बैठक लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि स्वस्थ जन अभियान के तहत जिले के 30 से अधिक आयु के शत प्रतिशत टारगेट नागरिकों को कवर करते हुए उनकी स्क्रीनिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने संबंधित विभागों से अभियान को सफल बनाने के लिए संपूर्ण सहयोग का आह्वान किया। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि सरकार की ओर से हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, कैंसर, एनएएफएलडी, मोटापा और अस्थमा जैसी बीमारियों के खतरे को कम करने के लिए राज्य के सभी जिलों में एनपीएनसीडी लागू किया गया है। उन्होंने बताया कि अस्वस्थ जीवनशैली (शारीरिक निष्क्रियता, अस्वस्थ आहार, तंबाकू और शराब का सेवन), तेजी से हो रहा शहरीकरण, प्रदूषण आदि उक्त बीमारियों के प्रमुख कारण हैं।

स्कूल में झगड़ा और गाली गलौज के बाद छात्रा पर ब्लेड से हमला, पीड़िता को लगे 50 से ज्यादा टांके

दिल्ली : अमन विहार इलाके में स्कूल में हुई गाली गलौज का बदला लेने के लिए एक छात्रा ने अपनी बहन और दो अन्य छात्राओं के साथ मिलकर बारहवीं की छात्रा पर ब्लेड (पेपर कटर) से चेहरे व कमर पर हमला कर दिया। इसमें पीड़िता के चेहरे व कमर पर करीब 50 से अधिक टांके लगे हैं। शुरूआती जांच में पता चला कि हमला करने वाली मुख्य आरोपी पीड़िता की स्कूल की छात्रा है।

रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त राजीव रंजन ने बताया कि नौ सितंबर को अमन विहार थाना पुलिस को रोहिणी सेक्टर-20 निवासी एक किशोरी पर हमला होने की जानकारी मिली। पीड़िता पर छात्राओं ने ब्लेड से हमला किया था। उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पीड़ित छात्रा अभी बयान देने की हालत में नहीं थी। छानबीन में पता चला कि 14 और दो पंद्रह साल की छात्राओं ने पीड़िता को थप्पड़ मारे, जबकि 16 साल की छात्रा ने उसके चेहरे और कमर पर ब्लेड से हमला कर दिया।

पूछताछ में पता चला कि मुख्य आरोपी छात्रा पीड़िता की स्कूल की 12वीं कक्षा की छात्रा है। चार नवंबर को पीड़िता और मुख्य आरोपी के बीच स्कूल में झगड़ा हुआ था। उसका बदला लेने के लिए उसने अपनी बहन और अन्य छात्राओं के साथ मिलकर उसपर हमला कर दिया।

गाली गलौज के बाद हुआ झगड़ा

पीड़िता अपने माता-पिता, एक छोटा भाई और बहन के साथ रोहिणी सेक्टर 20 में रहती है। पीड़िता के चाचा ने बताया कि इसी स्कूल में पढ़ने वाली मुख्य आरोपी छात्रा उसकी भतीजी के साथ गाली गलौज कर रही थी। इसे लेकर चार सितंबर को उनके बीच कहासुनी हुई थी। पीड़िता के साथ आरोपियों ने उस दिन मारपीट की थी। बताया कि पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। जिसमें दिख रहा है कि पीड़िता को कुछ छात्राओं ने घेर कर उसपर हमला किया है।

सड़क हादसों में दो युवकों की मौत

गुरुग्राम। अलग-अलग सड़क हादसों में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक अस्पताल में उपचाराधीन है। पुलिस ने संबंधित थानों में मामले दर्ज करके छानबीन शुरू कर दी है।

बिलासपुर थाना क्षेत्र में बाइक को एक कार ने टक्कर मार दी। बाइक चालक सिधरावली गांव से बिलासपुर की ओर आ रहा था, तभी यह हादसा हो गया। इस हादसे में बाइक पर सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया।

जहां भरतपुर (राजस्थान) के पानहारी गांव निवासी बंटी की मौत हो गई, जबकि उसका साथी रामअवतार अस्पताल में उपचाराधीन है। बिलासपुर थाने के निरीक्षक दिलबाग ने बताया कि बाइक को टक्कर मारने वाली कार की पहचान हो चुकी है। कार चालक के बयान दर्ज करके आगामी कार्रवाई की जाएगी।

वहीं, फर्रुखनगर थाना क्षेत्र में झज्जर बाईपास के पास सड़क किनारे खड़े ट्रक से एक बाइक टकरा गई। इस हादसे में बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने घायल को अस्पताल में पहुंचाया जहां बाइक चालक की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक अपने ट्रक को लेकर मौके से भाग गया। मृतक की पहचान मध्य प्रदेश के मुरैना निवासी लक्ष्मण (26 वर्ष) के रूप में हुई

> बिलासपुर थाना क्षेत्र में बाइक को एक कार ने टक्कर मार दी। बाइक चालक सिधरावली गांव से बिलासपुर की ओर आ रहा था, तभी यह हादसा हो गया। इस हादसे में बाइक पर सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

है। वह एक निजी कंपनी में नौकरी करता था और पिछले कई साल से फर्रुखनगर क्षेत्र में किराये पर रह रहा था।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी पहुंचाया। फर्रुखनगर थाने से निरीक्षक संतोष ने बताया कि मृतक के परिवार वालों को हादसे के बारे में सूचना दे दी है और ट्रक चालक की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

महिला से छेड़छाड़ और मारपीट में एक गिरफ्तार

गुरुग्राम। अपराध शाखा सेक्टर-40 की पुलिस ने महिला से छेड़छाड़ करने और उसके साथी से मारपीट करने के मामले में एक आरोपी को दिल्ली के हौज खास से गिरफ्तार किया। इस मामले में पुलिस अब तक पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। बुधवार को गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान दिल्ली के मुनिरका गांव, बसंत कुंज निवासी प्रकाश के रूप में हुई है। आरोपी से पूछताछ करने पर पता चला कि मामले में पीड़ितों ने क्लब में आकर गाली-गलौज की थी। ऐसे में क्लब के बाउंसरों ने उनसे मारपीट की थी। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार का कहना है कि पुलिस द्वारा मामले में संलिप्त अन्य आरोपियों के बारे में पूछताछ की जा रही है। जल्द ही अन्य आरोपियों को काबू करके जांच में शामिल किया जाएगा।

तीसरी मंजिल से धक्का देकर युवक की हत्या करने वाला गिरफ्तार

गुरुग्राम। पुलिस चौकी पटौदी रोड क्षेत्र में 14 अगस्त की रात को खाना बिखरने को लेकर हुए झगड़े में एक युवक को तीसरी मंजिल से धक्का देकर उसकी हत्या करने वाले आरोपी को पुलिस ने बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान अंबेडकर नगर (उत्तर प्रदेश) के कोड़ही गांव निवासी उमेश कुमार के रूप में हुई है। आगामी कार्रवाई के लिए आरोपी को अदालत में पेश किया जाएगा। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। मृतक की पहचान अंबेडकर नगर (उत्तर प्रदेश) के मरहरा गांव निवासी पप्पू कुमार (35 वर्ष) के रूप में हुई थी। आरोपी से पूछताछ करने पर पता चला कि वह और पप्पू कुमार (मृतक) दोनों गुरुग्राम के गांधीनगर स्थित मकान नंबर-9 में पीओपी का काम कर रहे थे और उसी मकान में रहते थे। 14 अगस्त की रात को करीब 10 बजे पप्पू से खाना बिखर गया था।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक और प्रकाशक शरद पाराशर द्वारा साईं प्रिंटर्स म.नं. 19 शॉप नं. 3 सिंसी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल म.प्र. से मुद्रित करवाकर ए-52 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित।
संपादक- शरद पाराशर मो.9425023929, समाचार सम्पादक :-सेजल दीक्षित (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)